संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 64 शनिवार 04 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संपत्ति अधिकार पर सुप्रीमकोर्ट का बड़ा फैसला

» संपत्ति का अधिकार है संवैधानिक अधिकार

» सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुना दिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली,03 जनवरी 2025 (ए)। सुप्रीमकोर्ट ने कहा है कि संपत्ति का अधिकार एक संवैधानिक अधिकार है और कानून के अनुसार पर्याप्त मुआवजे का भुगतान किए बिना किसी व्यक्ति से उसकी संपत्ति नहीं ली जा सकती, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन ने कहा कि संविधान (44वां संशोधन) अधिनियम, 1978 के कारण संपत्ति का मौलिक अधिकार समाप्त कर दिया गया, हालांकि यह एक कल्याणकारी राज्य में एक मानवाधिकार और संविधान के अनुच्छेद 300-ए के तहत एक संवैधानिक अधिकार बना हुआ है.

संविधान के अनुच्छेद 300-ए में प्रावधान

संविधान के अनुच्छेद 300-ए में प्रावधान है कि कानूनी प्रक्रिया का उपयोग किए बिना किसी भी व्यक्ति को उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा, शीर्ष अदालत ने बेंगलुरु-मैसूर इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर प्रोजेक्ट (बीएमआईसीपी) के लिए भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय के नवंबर 2022 के फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुनाया. पीठ ने कहा, संपत्ति का अधिकार अब मौलिक अधिकार नहीं है, हालांकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 300-ए के प्रावधानों के मद्देनजर यह एक संवैधानिक अधिकार है, इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर परियोजना से संबंधित मुआवजे पर अपने फैसले में अदालत ने कहा, किसी व्यक्ति को कानून के अनुसार पर्याप्त मुआवजा दिए बिना संपत्ति से वंचित नहीं किया जा सकता।

क्या है सम्पत्ति अधिकार का मामला

जनवरी 2003 में, प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) ने एक अधिसूचना जारी की थी और नवंबर 2005 में अपीलकर्ताओं की जमीन पर कब्जा कर लिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस केस में पाया कि प्रोजेक्ट के लिए लोगों की जमीन पर कब्जा किया गया और उन्हें इस के लिए मुआवजा भी नहीं दिया गया. बिना मुआवजे के लोगों को उनकी जमीन से वंचित कर दिया गया। कोर्ट ने कहा पिछले 22 साल से इन जमीन मलिकों ने कई बार अदालत के दरवाजे खटखटाए.बेंच ने कहा कि अवमानना कार्यवाही में नोटिस जारी होने के बाद ही, विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी (एसएलएओ) ने 22 अप्रैल, 2019 को अधिग्रहित भूमि के बाजार मूल्य का निर्धारण करने के लिए 2011 में प्रचलित दिशानिर्देश मूल्यों को ध्यान में रखते हुए मुआवजा निर्धारित किया गया था. साथ ही कोर्ट ने कहा, अगर साल 2003 के बाजार मूल्य के तहत लोगों को मुआवजा देने की इजाजत दी गई तो यह न्याय का मजाक उड़ाने और अनुच्छेद 300-ए के तहत संवैधानिक प्रावधानों का मजाक बनाने जैसा होगा।सुप्रीम कोर्ट ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अदालत की शक्ति का इस्तेमाल करते हुए, निर्देश दिया कि वो 22 अप्रैल 2019 के बाजार मूल्य के हिसाब से लोगों को उनकी जमीन का मुआवजा दें।

विश्वविद्यालयों में जात-पात को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

यूजीसी से मांगा शिकायतों का डेटा, कहा- नियम ढंग से हों लागू

नई दिल्ली,03 जनवरी 2025 (ए)। विश्वविद्यालयों में जातिगत भेदभाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर आज सुनवाई हुई। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए यूजीसी से शिकायतों का डाटा मांगा है। साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत मामले काफी गंभीर हैं। इसके अलवा सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालयों के लिए जातिगत मुद्दों पर बने नियमों को लागू करने का भी आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सुनवाई के दौरान कहा कि वो मामले की संवेदनशीलता से अच्छी तरह से परिचित है। ऐसे में इस तरह की शिकायतों को काफी गंभीरता से निदान करने की जरूरत है और वह ऐसा ही करेगी।

महत्वपूर्ण खबर

एसपी पर फायरिंग करने वाला आरोपी दबोचा गया

सम्भल,03 जनवरी 2025(ए)। संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा के दौरान हिंदूपुरखेड़ा इलाके में एसपी केके बिश्नोई पर गोली चलाने वाले आरोपी तिल्लन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के दिल्ली के लक्ष्मी नगर और जहांगीरपुरी में होने की लोकेशन मिली थी. लगातार ट्रैकिंग के बाद पुलिस ने एसपी पर गोली चलाने वाले आरोपी को दबोच लिया।

पीएफ खाताधारकों के लिए ईपीएफओ के लागू होंगे 5 नए नियम

नई दिल्ली,03 जनवरी 2025(ए)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने अपने करोड़ों सदस्यों के लिए कुछ महत्वपूर्ण नियमों और नीतियों में बदलाव की घोषणा की है। इन बदलावों का मुख्य उद्देश्य पीएफ खाताधारकों को अधिक सुविधा प्रदान करना और उन्हें अपने रिटायरमेंट फंड को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने में मदद करना है।ये नए नियम 2025 से लागू होने की संभावना है और इनसे निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के साथ-साथ सरकारी कर्मचारियों को भी लाभ होगा। ईपीएफओ के इन नए नियमों से पीएफखाताधारकों को अपने पैसे का बेहतर प्रबंधन करने और भविष्य के लिए अधिक सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलेगी।

पुष्पा फेम एक्टर अल्लू अर्जुन को मिली जमानत

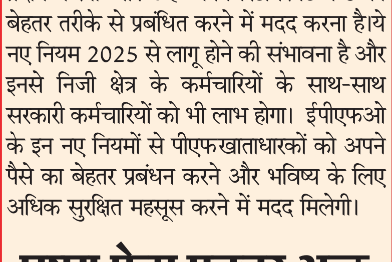

हैदराबाद,03 जनवरी 2025(ए)। मशहूर अभिनेता अल्लू अर्जुन को संध्या थिएटर भगदड़ मामले में बड़ी राहत मिल गई है। हैदराबाद की नामपल्ली अदालत ने अल्लू अर्जुन को पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में 35 वर्षीय महिला की मौत की जांच के सिलसिले में नियमित जमानत दे दी है। अदालत ने अल्लू अर्जुन को जमानत शर्तों के तहत 50 हजार रुपये के दो जमानती पेश करने का निर्देश दिया है।

जम्मू में स्थापित होगा नया रेलवे डिवीजन

» 6 जनवरी को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

जम्मू,03 जनवरी 2025(ए)। दिल्ली से कश्मीर के लिए सीधी ट्रेन सेवा का सपना अब हकीकत बनने जा रहा है, साथ ही भारत सरकार जम्मू में एक नया रेलवे डिवीजन स्थापित करने की तैयारी कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जनवरी को वर्चुअली डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) कार्यालय का उद्घाटन करेंगे।यह कदम जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, और पंजाब के पठानकोट क्षेत्र को फिरोजपुर डिवीजन पर निर्भरता समाप्त करेगा और इन क्षेत्रों में रेलवे संचालन को और अधिक प्रभावी बनाएगा। अतिरिक्त मंडल रेलवे प्रबंधक राजीव कुमार सिंह ने कहा,रेलवे बोर्ड ने जम्मू में एक नया रेलवे डिवीजन स्थापित करने के लिए एक अधिसूचना जारी की है। इस नए रेलवे डिवीजन के लिए एक अंतिम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे फिर रेलवे बोर्ड में प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद, इसके क्षेत्राधिकार के संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 6 जनवरी को जम्मू रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में वर्चुअल उद्घाटन प्रस्तावित है।
उन्होंने बताया कि रेलवे बोर्ड द्वारा यह निर्णय बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि जम्मू में नया रेलवे डिवीजन स्थापित होने से लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा। पठानकोट से श्रीनगर बारामुला तक रेलवे लाइन, भोगपुर सिरवाल से पठानकोट और बटाला पठानकोट और पठानकोट जोगिंदर नगर नैरोगेज लाइन जैसे प्रमुख मार्गों के संचालन और प्रबंधन का कार्य जम्मू से ही होगा। पहले यह कार्य फिरोजपुर डिवीजन से किया जाता था, लेकिन अब जम्मू से ही सभी कार्यों का प्रबंधन होगा, यह जम्मू वासियों के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। यह पुरानी मांग थी, जो 2025 में पूरी हो रही है। परिचालन संबंधी सभी निर्णय नए जम्मू डिवीजन से किए जाएंगे, और कर्मचारियों के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट को लेकर आईएनडीआईए जाएगा एससी

दाखिल करेगा हस्तक्षेप अर्जी

नई दिल्ली,03 जनवरी 2025(ए)। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 को लेकर विपक्ष के कई राजनीतिक दल आवाज उठा रहे हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए भी इस एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकता है। आईएनडीआईए गठबंधन कोर्ट में हस्तक्षेप अर्जी दायर करेगा। इससे पहले कुछ विपक्षी दलों की ओर से इस एक्ट को लागू करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं लगाई जा चुकी हैं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी की उस याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई है, जिसमें 1991 के प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट को लागू करने की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगाई फटकार

शख्स से 15 घंटे तक पूछताछ करने पर बताया अमानवीय व्यवहार

नई दिल्ली,03 जनवरी 2025 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय को पूछताछ के तरीकों को लेकर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने एक मामले में आधी रात के बाद तक लगभग 15 घंटे तक पूछताछ को 'अहंकारी' और 'अमानवीय' करार दिया है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि इस तरह की पूछताछ से स्पष्ट है कि एजेंसी व्यक्ति को बयान देने के लिए मजबूर कर रही थी, जो कि बेहद चौंकाने वाला है।

जेसीबी से नाग की मौत,शव के करीब घंटों बैठी रही नागिन

शिवपुरी,03 जनवरी 2025(ए)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां नाग की मौत होने पर उसके शव के पास ही नागिन घंटों बैठी रही। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि शिवपुरी जिले के नरवर क्षेत्र के छितरी गांव में सफाई के दौरान काम में लगी एक जेसीबी की चपेट में आने से एक नाग की मौत हो गई। जबकि, उसकी साथी नागिन बुरी तरह से घायल हो गई। नाग की मौत के गम में नागिन उसके शव के पास ही बैठी रही।

पीएम मोदी,अमित शाह,नड्डा और खड़गे ने सावित्रीबाई फुले को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,03 जनवरी 2025 (ए)। देश की पहली महिला शिक्षिका और महान समाजसेविका सावित्रीबाई फुले की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी।पीएम मोदी ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, सावित्रीबाई फुले की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। वह महिला सशक्तिकरण की एक मिसाल हैं और शिक्षा तथा सामाजिक सुधार के क्षेत्र में अग्रणी हैं। लोगों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रयास हमें प्रेरित करते रहते हैं।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा, देश में जब भी नारी शिक्षा और सामाजिक समानता की बात होती है, सावित्रीबाई फुले का नाम गर्व से लिया जाता है। सावित्रीबाई फुले ने एक ओर जहां महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया, वहीं शिक्षा को समाज सुधार का सशक्त माध्यम बनाया। महिला विरोधी कुरीतियों को समाप्त कर नारी सम्मान की नई परिभाषा गढ़ने वाली महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयंती पर उन्हें नमन। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सावित्रीबाई फुले को याद किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, स्वाभिमान से जीने के लिए पढ़ाई करो, पाठशाला ही इंसानों का सच्चा गहना है। क्रान्तिज्योति, महान शिक्षाविद व कवयित्री एवं देश की प्रथम महिला शिक्षिका व हमारी प्रेरणास्त्रोत, सावित्रीबाई फुले की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के लिए दरवाजे खोले और समाज के वंचित, दलित, पीड़ित और शोषितों के अधिकारों के लिये पुरजोर लड़ाई लड़ी व सामाजिक न्याय में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नमन करते हुए कहा, देश की पहली महिला अध्यापिका, नारी मुक्ति आंदोलन की प्रणेता एवं महान समाजसेविका सावित्रीबाई फुले की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन करता हूं।

भारत के युवाओं का 'एकलव्य' जैसा अंगूठा काट रही भाजपा:राहुल गांधी

नई दिल्ली,03 जनवरी 2025(ए)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने भाजपा पर देश के युवाओं के भविष्य को मिटाने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट शेयर की। लिखा, भाजपा भारत के युवाओं का बिल्कुल एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही है, उनका भविष्य मिटा रही है। सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्याय है। पहले तो भर्ती नहीं निकलती। भर्ती निकल जाए तो एग्जाम समय पर नहीं होते। एग्जाम हो तो पेपर लीक करवा दिए जाते हैं और जब युवा न्याय मांगते हैं, तब उनकी आवाज को बेरहमी से कुचला जाता है। उन्होंने आगे कहा, हाल ही में यूपी और बिहार की घटनाओं के बाद अब मध्य प्रदेश में एमपीपीएससी में हुई गड़बड़ी का विरोध कर रहे दो छात्रों को जेल में डाल दिया गया है।

प्रधानमंत्री का गरीबों को तोहफा

नई दिल्ली,03 जनवरी 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेजे क्लस्टर के निवासियों के लिए 1,675 नवनिर्मित फ्लैटों के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली दो शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया - नौरोजी नगर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और सरोजिनी नगर में

जीपीआरए टाइप- क्वार्टर, द्वारका में सीबीएसई का एकीकृत कार्यालय परिसर। प्रधानमंत्री मोदी ने नजफगढ़ के रोशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज की आधारशिला भी वर्चुअली रखी।

बीपीएससी कैंडिडेट्स के समर्थन में उतरे पप्पू यादव

» समर्थकों ने रोकी ट्रेन

» प्रशांत किशोर भी आमरण अनशन पर डटे

पटना,03 जनवरी 2025 (ए)। बिहार में बीपीएससी परीक्षा को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बापू परीक्षा केंद्र पर 13 दिसंबर को आयोजित परीक्षा में जमकर हंगामा हुआ, जिसके बाद बापू परीक्षा केंद्र पर परीक्षा रद कर दी गई। ये विवाद यहीं नहीं थमा, बापू परीक्षा केंद्र पर हंगामे के बाद अभ्यर्थियों द्वारा पेपर लीक की शिकायत करते हुए परीक्षा रद करने की मांग की जा रही है। अपनी मांग को लेकर अभ्यर्थियों द्वारा प्रदर्शन भी किया जा रहा है। वहीं अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को राजनीतिक दलों का भी साथ मिल रहा है। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने आज बिहार बंद का ऐलान किया है, जिसके बाद वे सुबह 9 बजे सचिवालय हाल्ट रेलवे स्टेशन पहुंचे। इस दौरान उनके समर्थकों ने ट्रेन रोककर जमकर नारेबाजी की। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के समर्थक बीपीएससी के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन के समर्थन में सचिवालय हॉल्ट रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पर बैठे। पुलिस ने पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के समर्थकों को तितर-बितर कर दिया।

संपादकीय

अश्विन मैच जिताऊ खिलाड़ी रहे

रोहित शर्मा और खुद उनके बयानों से स्पष्ट है कि रविचंद्रन अश्विन खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उन्हें लगने लगा था कि टीम प्रबंधन को उनकी जरूरत नहीं है। संभवतः संकेत यह था कि अब टीम में उनकी जगह पक्की नहीं है।कोई बड़ा खिलाड़ी किसी बड़ी टेस्ट श्रृंखला के बीच तुरंत रिटायर होने का एलान करे, तो उसे अवकाश लेने की सामान्य प्रक्रिया नहीं माना जा सकता। बड़े खिलाडियों की विदाई अक्सर नियोजित ढंग से और स-सम्मान होती है। इसलिए रविचंद्रन अश्विन ने जिस तरह भारत- ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरिज के बीच तुरंत रिटायरमेंट का एलान किया, लाजिमी है कि उस पर कयास लगाए जाएंगे। इसे संकेत माना जाएगा कि भारतीय क्रिकेट के प्रशासन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अश्विन मैच जिताऊ खिलाड़ी रहे हैं। उनका रिकॉर्ड खुद बोलता है।भारत के पूरे क्रिकेट इतिहास में अनिल कुंबले (619) के बाद टेस्ट विकेट लेने के लिहाज से वे दूसरे नंबर पर (537) हैं। अपने छह टेस्ट शतकों के साथ दुनिया के टॉप स्पिनरों में बतौर बल्लेबाज वे पहले नंबर पर हैं। 13 साल तक चले टेस्ट करियर के दौरान 106 मैचों में उन्होंने 37 बार एक पारी में पांच और आठ बार मैच में दस विकेट उन्होंने लिए। भारत की अनुकूल पिचों पर उन्हें खेलना किसी विदेशी टीम के लिए बड़ी चुनौती बना रहा।अब कप्तान रोहित शर्मा और खुद अश्विन के बयानों से स्पष्ट है कि 38 वर्षीय अश्विन खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उन्हें लगने लगा था कि टीम प्रबंधन को उनकी जरूरत नहीं है। इस सीरिज में अब तक हुए तीन मैचों में उन्हें सिर्फ एक में खेलाया गया।संभवतः संकेत यह था कि अगले दो मैचों में भी उनकी जगह पक्की नहीं है। ऐसे में यह मानने के बावजूद कि उनमें अभी धार बाकी है, उन्होंने तुरंत अवकाश लेने का एलान कर दिया। बड़े खिलाडियों को उनके नाम के आधार ढोया जाए, यह किसी का तर्क नहीं हो सकता। लेकिन खिलाडियों को गाइड करने और उन्हें सीधे उचित सलाह देने का सिस्टम जरूर मौजूद होना चाहिए। इसके लिए स्वस्थ संवाद की जरूरत है। लेकिन हालिया संकेत यही हैं कि भारतीय क्रिकेट संचालन में सीधा संवाद गायब है। विराट कोहली को जिस तरह कप्तानी से हटाया गया और उसके बाद से टीम का जैसा डगमग हाल है, उसके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी शायद इसी पहलू की है।

लुई ब्रेल:जिसने नेत्रहीनों के लिए शिक्षा के द्वार खोले

प्रमोद दीक्षित मलय
बाँदा,उत्तरप्रदेश

पेरिस से थोड़ी दूर बसे एक गांव कूप्रे में सुबह से ही लोग जुट रहे थे। सरकारी अधिकारियों एवं नेताओं की गाड़ियों का काफिला भी गांव की ओर बढ़ा चला जा रहा था। गांव के निवासी स्त्री, पुरुष और बच्चे भी आश्चर्यचकित हो भीड़ का हिस्सा बन जाते हैं। भीड़ एक कब्रिस्तान जाकर एक सभा में बदल जाती है। एक खास कब्र को सजाया गया है। एक अधिकारी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज फ्रांस की सरकार ने ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल के सम्मान का दिन घोषित किया गया है। सभा में खुशी की लहर छा गयी और कर तल ध्वनि से गगन गुंजित हो गया। तब पूरे राजकीय सम्मान एवं प्रतिष्ठा के साथ धार्मिक संस्कारोंपरांत कब्र से शव को निकाला गया। उपस्थित जन समुदाय ने अपनी गलती स्वीकार की और धार्मिक रस्में पूर्ण कर लुई के सम्मान में राष्ट्रीय धुन बजा उन्हें दफनाया गया। उपस्थित लोगों ने उनके महनीय मानवीय योगदान को स्वीकृति देते हुए अपने भूल के लिए प्रायश्चित किया। यह लुई ब्रेल की मृत्यु के सौ साल के बाद का एक सम्माननीय दृश्य था। नेत्रहीनों के लिए प्रकृति के अप्रतिम सौदर्य का दर्शन अछूता और रसानुभूति से परे था, क्योंकि वे न तो देखकर आनन्द उठा सकते थे और न ही पढ़कर। दृष्टिहीनों के लिए यह दुनिया अंधकारमय, नीरस और बेरंग थी। नेत्रहीन भी काव्य, कहानी, नाटक को पढ़कर आनन्द सागर में डूब सकें, ऐसा सहज सम्भव हुआ है एक विशेष लिपि में अंकित पाठ्य सामग्री के द्वारा, जिसे विश्व ब्रेल लिपि के नाम से जानता है। ब्रेल लिपि के जनक हैं फ्रांस के शिक्षाविद् लुई ब्रेल। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2019 से 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस के रुप में मनाया जा रहा है।

लुई ब्रेल का जन्म फ्रांस के एक गांव में 4 जनवरी, 1809 को पिता साइमन रेले ब्रेल एवं माता मोनिक ब्रेल के परिवार में हुआ था। पिता के आर्थिक संसाधन सीमित थे एवं आजीविका का एकमात्र साधन उनका मोचीगिरी का ही काम था। वह चमड़े का काम करने के साथ ही फ्रांस के शाही परिवार एवं अमीरों के घोड़ों की काठी एवं जीन बनाने का काम किया करते थे। लेकिन कठोर श्रम एवं समय साध्य काम होने के बावजूद भी उनकी कमाई इतनी न थी कि छह सदस्यों के परिवार का भरण-पोषण एवं उचित देखरेख संभव हो पाती। और जैसा कि परंपरागत रोजगार करने वाले परिवारों में होता है कि अपने पारंपरिक कार्य से बच्चों को जोड़े रखने एवं सिखाने की दृष्टि से छोटी उम्र से ही अपने साथ काम पर ले जाते हैं। साइमन रेले ने भी ऐसा ही किया और अपनी मोची की दूकान पर तीन वर्ष के बालक लुई ब्रेल को साथ ले जाने लगे। स्वभावतः बालक जिज्ञासु एवं चंचल होते हैं।

दुकान पर चमड़े के काम में प्रयुक्त होने वाले लोहे के औजारों यथा चाकू, सूजा, हथौड़ी, कटर, आरी आदि से बालक संपर्क में आया। वह पिता की मदद करते हुए उनसे खेलने लगता। एक दिन पिता की अनुपस्थिति में खेलते समय सूजा उछल कर बालक की आंख में जा लगा और खून की धार फूट पड़ी। बालक को घर पहुंचाया गया और आंख साफ कर जड़ी-बूटी युक्त घरेलू औषधि का लेपन कर पट्टी बांध दी गई और यह सोचा गया कि अपने आप जल्दी ही ठीक हो जाएगी। लेकिन उचित चिकित्सा के अभाव या अभिभावकों की लापरवाही के चलते घायल संक्रमित आंख का दुष्प्रभाव दूसरे आंख पर भी पड़ने लगा। आठ वर्ष का होते-होते बालक ने अपनी दृष्टि पूरी तरह खो दी। अब बालक के लिए सूरज के प्रकाश में कोई रंग न थे। उसके लिए दुनिया अब केवल अंधेरे का एक गोला थी। परिवार एवं समाज में वह दया एवं सहानुभूति का पात्र बन गया लेकिन उसे यह निरीह जीवन स्वीकार न था। उसका अन्तर्मन उसे पढ़ने के लिए कचोटता रहता। पर तत्कालीन समय में नेत्रहीनों की शिक्षा-दीक्षा के लिए कोई विशेष संसाधन एवं व्यवस्थाएं न थी। पेरिस में एक अंध विद्यालय अवश्य था पर वहां सामान्य परिवारों के बालकों का प्रवेश हो पाना बहुत कठिन था। बालक लुई में कुछ नया करने की लगन थी, साथ ही शिक्षा प्राप्ति का जज्बा एवं संकल्प भी। उसके निरन्तर आग्रह को स्वीकार कर पिता उसे एक परिचित पादरी के पास ले गए, जिनकी सिफारिश और मदद से लुई ब्रेल का नामांकन पेरिस के अंध विद्यालय 'रॉयल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड' में 1821 में हो गया। तब तक नेत्रहीनों को पढ़ाने के लिए कोई विशेष लिपि व्यवहार में नहीं थी। आधे-अधूरे प्रयासों से उपलब्ध सामग्री से उक्त विद्यालय में बच्चों को इतिहास, भूगोल एवं गणित की सामान्य जानकारी दी जाती थी। एक दिन शाही सेना का एक पदाधिकारी चार्ल्स बार्बियर, जो सैनिकों के लिए रात में भी टटोलकर पढ़ सकने वाली पठन सामग्री तैयार करने में जुटा हुआ था, उक्त विद्यालय में प्रशिक्षण हेतु आया। उन्होंने एक दिन संवाद करते हुए बताया कि अपने सैनिकों को अंधेरे में भी पढ़े जा सकने वाले गुप्त संदेशों को एक खास लिपि में अंकित कर भेजता है। उस लिपि में 12 बिंदुओं को 6-6 की दो पंक्तियों पर रखा जाता है जिसे सैनिक टटोलकर पढ़ लेते हैं। लेकिन एक बहुत बड़ी कमी थी कि उसमें विराम या गणितीय चिह्नों का अंकन सम्भव न था और चार्ल्स उसे बेहतर करने के लिए कुछ शोध कर रहा था। बालक लुइ सेनानायक चार्ल्स के काम से प्रभावित हुआ और उनकी कूट लिपि को पढ़ने-समझने के लिए पादरी की मदद से चार्ल्स से भेंट की। बातचीत के बाद बालक लुई ने लिपि में कुछ संशोधन करने के सुझाव दिये। चार्ल्स बालक के सुझावों को सुन हतप्रभ था और तुरन्त ही स्वीकार कर लिया जिससे सैनिकों तक संदेश पहुंचाना अब और सरल हो गया।

चार्ल्स बार्बियर की कूट लिपि को पढ़-समझ कर बालक लुई ब्रेल नेत्रहीनों के लिए उपयोगी एक खास लिपि को विकसित करने की साधना में जुट गया। आखिर 1829 में, आठ सालों की अनथक साधना का परिणाम एक विशेष विकसित लिपि के रूप में हुआ जिसे दुनिया ब्रेल लिपि से जानती है, जिसमें 6 उभरे बिंदुओं के आधार पर 64 अक्षर, विराम एवं गणित चिह्नों सहित संगीत के नोटेशन बनाना भी सम्भव हो गया। ब्रेल लिपि विकसित हो जाने से नेत्रहीनों के लिए पढ़ना एवं मनोभावों को अभिव्यक्त करना सहज संभव हो गया था। लेकिन ब्रेल लिपि को समाज एवं सरकार द्वारा मान्यता नहीं मिली। उसे सेना द्वारा प्रयोग किए जाने वाला कूट रचित अंकन ही समझा गया। लुई ब्रेल जीवन भर ब्रेल लिपि की मान्यता हेतु संघर्ष करते रहे। साथ ही लिपि के प्रचार-प्रसार में भी सतत समर्पित रहे।

विश्व को ब्रेल लिपि के रूप में अमूल्य उपहार देने वाला यह महान व्यक्तित्व 43 वर्ष की अल्पायु में ही 6 जनवरी, 1852 को लौकिक जीवन पूर्ण कर यमलोक की अनंत की यात्रा पर प्रस्थान कर गया। लुई ब्रेल की मृत्यु के 16 वर्ष बाद 1868 में फ्रांस की सरकार ने ब्रेल लिपि को मान्यता प्रदान की। धीरे-धीरे ब्रेल लिपि सम्पूर्ण विश्व प्रचलित हो गयी। भारत में भी ब्रेल लिपि के माध्यम से नेत्रहीनों के लिए पढ़ने एवं प्रशिक्षण के लिए तमाम विद्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र खोले गए। 4 जनवरी, 2009 को लुई ब्रेल के 200वें जन्मदिन के अवसर पर भारत सरकार ने उनके सम्मान में एक डाक टिकट जारी कर उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वास्तव में जीवन रहते हुए वह जिस सम्मान और प्रतिष्ठा के हकदार थे वह उनको नहीं मिला लेकिन उनकी मृत्यु के बाद उनके योगदान को सिर माथे लिया गया। संपूर्ण जग उनका ऋणी है और ऋणी रहेगा।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

जल संकट का अंतरराष्ट्रीय भयावह स्वरूप

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

आने वाली पीढ़ी के लिए जल सहेजना जरुरी

सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। पृथ्वी की सतह का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से आच्छादित है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97 प्रतिशत समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है। अतः मात्र 3 प्रतिशत जल ही पीने के योग्य है,इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुष्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है।

यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी-बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होगें तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध ऑर्गेनाइजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्त्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि की दर से 25 प्रतिशत जनसंख्या को प्रयोग जितना ही पानी उपलब्ध हो पाएगा। यह भयानक जल संकट तथा वैश्विक खतरे की ओर इंगित करता है। वैश्विक स्तर पर जल विवाद लगातार होते रहते हैं मध्य एशिया में कैस्पियन सागर के जल बंटवारे संबंधी विवाद का समाधान तटवर्ती देशों द्वारा संधि के माध्यम से किया गया है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी जटिल होती जा रही है देश की जनसंख्या तो विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5 प्रतिशत है, लेकिन ताजे जल की उपलब्धता 1 प्रतिशत से भी कम है। राजस्थान में स्थिति जल संकट की बड़ी भयावह है वहां जल की उपलब्धता 1त्न से भी बहुत नीचे जल संकट वहां की नियति बन गई है। 2040 तक भारत के तीन चौथाई शहरों को जल संकट से जूझना होगा। अब हमारा दायित्व तथा कर्तव्य होगा कि समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें एवं जल संरक्षण से संबंधित विधि तथा तकनीक से परिचित कराएं एवं उसका समुचित उपयोग करें। व्यक्ति स्वयं जल का संरक्षण करें तथा दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें ताकि हम आने वाले कल के लिए जल संकट रूपी विकराल एवं जनता हर समस्या का सामना आसानी से कर पाएं। जल संकट के महाविनाश से यदि बचना है तो जल संरक्षण हर नागरिक को एक कर्तव्य की तरह करना होगा।

वर्ष 2025 में सरल कर व्यवस्था की अपेक्षा

निश्चित रूप से देश के छोटे-बड़े सभी करदाता वर्ष 2025 में सरल कर व्यवस्था की अपेक्षा कर रहे हैं। यद्यपि सरकार सरल कर व्यवस्था के लिए एक के बाद एक लगातार कदम आगे बढ़ा रही है, लेकिन नये वर्ष में अभी और अधिक सरल कर व्यवस्था जरूरी दिखाई दे रही है।पिछली 21 दिसम्बर को जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) काउंसिल की जैसलमेर में हुई 55वीं बैठक में जीएसटी के सरलीकरण और राहत संबंधी कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। खास तौर से छोटे कर्जदारों को राहत देते हुए कहा गया है कि ऋण शतरे का पालन नहीं करने पर ऋणदाताओं द्वारा जो जुर्माना लगाया जाएगा, उस पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। खास किस्म के फोर्टीफाइड चावल पर जीएसटी कम किया गया है। कैंसर की जीन थेरेपी को कर-मुक्त किया गया है। इस्तेमालशुदा यानी पुराने वाहनों की बिक्री पर कर दर 18 फीसद कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष अगस्त, 2024 में आयकर अधिनियम को सरल बनाने के लिए मुख्य आयकर आयुक्त वी. के. गुप्ता की अध्यक्षता में गठित समिति कर रियायतों को तर्कसंगत बनाने, कर गणना के तरीके का स्तर बढ़ा कर इसे विस्तरीय बनाने और अपील करने की व्यवस्था में जटिलता कम करने संबंधी सुधारों पर तेजी से काम कर रही है।समिति कर विशेषज्ञों और विभिन्न निकायों से प्राप्त सिफारिशों की समीक्षा कर रही है। ज्ञातव्य है कि आयकर अधिनियम, 1961 की करीब 90 धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। मौजूदा स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) व्यवस्था को सरल करने, सीमा शुल्क कानून की तरह ही यह समिति दरों की व्यापक अनुसूची बनाने पर आगे बढ़ रही है। इससे कानूनी जटिलताएं और मुकदमेबाजी में काफी कमी आएगी तथा कर कटौती प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी होगी। उम्मीद है कि गुप्ता समिति की रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत होगी और इसके आधार पर विधि मंत्रालय की मदद से नये आयकर विधेयक का मसौदा तैयार किया जाएगा। निश्चित रूप से पिछले एक दशक में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में तेज सुधारों का सिलसिला लगातार बढ़ा है, और इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।पिछले एक दशक से आयकर कानून में जो अहम सुधार किए गए हैं, उससे जहां आयकरदाताओं को सुविधा मिली है, वहीं आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली है। वर्ष 2023-24 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह लगभग चार गुना बढ़ कर 10.45 लाख करोड़ रु पये का रहा। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि आयकर वर्ष 2023-24 में 8.09 करोड़ से ज्यादा रिकॉर्ड आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। साथ ही, मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में पिछले वर्ष से अधिक आयकर रिटर्न और अधिक आयकर प्राप्ति का परिदृश्य उभरता दिखाई दे रहा है। जिस तरह देश में आयकर संबंधी सुधारों से आयकरदाताओं की संख्या और आयकर राशि में तेजी से इजाफा हुआ है, उसी तरह देश में अप्रत्यक्ष करों में भी सुधार हुआ है। ऐतिहासिक सुधार कहा जाने वाला वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 1 जुलाई, 2017 से लागू हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीएसटी का संग्रहण 20.18 लाख करोड़ रु पये पहुंच गया, जो पूर्ववर्ती साल के मुकाबले 11.7 फीसद वृद्धि दिखाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल से नवम्बर, 2024 के बीच जीएसटी संग्रह पिछले वर्ष की इस अवधि के मुकाबले 9 फीसद बढ़ कर 14.56 लाख करोड़ हो गया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि दुनिया की तेज बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के तहत बढ़ते उद्योग-कारोबार, सर्विस सेक्टर, शेयर बाजार और मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति की नई ऊंचाइयों के कारण देश में टैक्स संग्रहण में तेज वृद्धि हो रही है।

-डॉ. जयंतीलाल भंडारी-

अब सम्मान नहीं बल्कि लोकप्रियता हासिल करना ही मुख्य लक्ष्य

अब वह समय नहीं रहा जब आप झूठ न बोल कर सम्मान के पात्र बनते थे। आज राजनीति में झूठ बोलकर ही अपना नैरेटिव, सहानुभूति और जनसमर्थन चाहिए।हम बहुत भद्दे, गंदे समय में जी रहे हैं। एक बुरी तरह बंटे और कटे हुए समाज में जी रहे हैं। हर आदमी सही है और हर आदमी गलत है। जो हर एक मुद्दे पर हमसे सहमत नहीं हैं वो हमारे लिए बुरा बन जाता है। राजनीति ने हालात और खराब किए हैं। लोगों को बांट दिया है, धुव्रीकृत कर दिया है। नेता अब विचारधारा के आधार पर नहीं चुने जाते है। हम किसी पार्टी को इसलिए वोट नहीं देते है क्योंकि हमें उस पर भरोसा है। बल्कि हम उसे इसलिए वोट देते हैं क्योंकि हम उसकी विरोधी पार्टी से डरते हैं या नफरत करते हैं। हम किसी को पसंद नहीं करते, हम उसके प्रतिद्वंदी को नापसंद करते है।तभी बंटे हुए समाज में, इस ध्रुवीकरण से लोकलुभावन बातें बेइंतहा बढ़ गई है। सारी दुनिया में मुख्यधारा के अधिकांश राजनेता अब वोट हासिल करने और लोगों को भावनात्मक रूप से अपने से जोडने के लिए एक ही राग अपनाएं हुए है कि वे आम आदमी के पक्षधर हैं और कुलीनों, बड़े लोगों के विरोधी हैं।लोक लुभावन बातें सिर्फ दलगत राजनीति तक सीमित नहीं हैं। सार्वजनिक संवादों में लोकलुभावनवाद का प्रयोग मुख्यतः सत्ता-विरोधी भावनाओं को भड़काने के लिए किया जाता है, इस नजरिए को पेश करने के लिए किया जाता है कि कुलीन भ्रष्ट हैं। यह धारणा इस हद तक बढ़ चुकी है कि कुलीन वर्ग ' - जिसमें पढे-लिखे, अध्येता और पत्रकार भी शामिल हैं - ने इसे स्वीकार लिया है। नियति मान लिया है कि अब ऐसे ही चलेगा। यह हमारी रोजमर्रा की चर्चाओं में शामिल हो चुका है। यह सब मान चुके हैं कि कुलीन, बौद्धिक वर्ग भ्रष्ट है और आम लोगों के कॉमनसेंस, सहज समझदारी की चिंता नहीं करता।पिछले तीन-चार दिनों में - पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के देहावसान के बाद से - यह विभाजन साफ तौर पर दिखलाया दिया है। सोशल मीडिया विरोध और नफरत से भरा हुआ है। सब एक दूसरे की हर मुद्दे पर खिलाफत कर रहे हैं। इनमें कांग्रेस और भाजपा दोनों शामिल हैं। पुराने, एक सेकंड लम्बे वीडियो खोद निकाल पोस्ट किए जा रहे हैं ताकि गुस्सा भड़के। पार्टियों के ट्रोल योद्धा जोरशोर से ऐसी चीज़ें पोस्ट कर रहे हैं जिससे नफरत और बढ़ रही है। विरोधी भावनाएं' उफान पर हैं। विरासतों को कलंकित किया रहा है। प्राण त्याग चुके व्यक्ति की आत्मा को बार-बार यातना दी जा रही है - एक के बाद एक ट्वीट करके, मौके पर चौका मारने के लिए और इतिहास पर पर्दा डाला जा रहा है।मैं यह नहीं समझ पा रही हूँ भाजपा द्वारा फैलाए जा रहे नैरेटिव - विशेषकर देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री की मृत्यु से जुड़े हुए नैरेटिव - से भला किस तरह उसे आगे राजनैतिक, चुनावी लाभ हासिल होगा या पार्टी की इमेज चमकाई जा सकती है? लेकिन जब सत्ता पाना, उसके इस्तेमाल करने, से अधिक महत्वपूर्ण होता है तब कुछ भी सही या गलत नहीं रह जाता। आज की राजनीति इस हद तक नफरत भरी हो गई है कि झूठ बोलने में लोगों को मज़ा आता है। राजनीतिज्ञ अपने विरोधियों को दानव साबित करने में जुटे हुए हैं, फिर चाहे वे इस दुनिया में हों या न हों।वे दूसरे पक्ष को भ्रष्ट, अतिवादी और बेईमान साबित करने के लिए बिना किसी झिझक के झूठ का सहारा ले रहे हैं। आखिरकार सच्चाई का सामना करने के लिए दमदार लीडरशीप की जरूरत होती है और राजनीति करने से आपको सदैव सबका सम्मान हासिल नहीं होता। डॉ। मनमोहन सिंह को हमेशा कड़वी अपमानजनक बातें सुननी पड़ीं लेकिन वे चुप्पी साधे रखने के अपने संकल्प से नहीं डिगे। उन्हें उनके कामों के लिए याद रखा जाएगा, उनका काम बोलेगा, यही उनका नजरिया रहा। और जो सहज बुद्धि' के पक्षधर हैं, वे सदैव उन्हें इसके लिए ही याद रखेंगे। शायद यही वजह है कि लुटियन्स दिल्ली के बहुत से बड़े क्लबों ने नए साल के जश्न के कार्यक्रम एक ऐसे नेता के सम्मान में रद्द कर दिए हैं जिन्हें भारत की अर्थव्यवस्था को आज़ादी दिलाने वाले सेनानी के नाते याद किया जाता है।लेकिन दौर बहुत घिनौना है। अब वह समय नहीं रहा जब आप झूठ न बोल कर सम्मान के पात्र बनते थे। आज राजनीति में हालात यह हैं कि झूठ बोलकर ही सहानुभूति, करूणा और जनसमर्थन हासिल करने का जुनून किया है; इतिहास और समाज को बदलने की कोशिश है। क्योंकि अब सम्मान हासिल करना नहीं बल्कि लोकप्रियता हासिल करना ही मुख्य लक्ष्य है।

-श्रुति व्यास-

कविता
एकतरफा बहुत अधिक परवाह...

घटती-घटना

वीणा आडवाणी
नागपुर महाराष्ट्र

रिश्तों में फरेब का रस घोलती है..।।
धोखा दिलवा तोड़ती है
हॉं कलम से ये जोड़ती है...
ग़म लिखा कर ही छोड़ती है..
ग़म भुला, ग़म से राह ही मोड़ती है..
सिर्फ उसका नाम ही तेरी पहचान
तेरे मन से ये भ्रम निकाल तोड़ती है..
सच एक तरफा बहुत अधिक परवाह ...
रिश्तों में फरेब का रस घोलती है..।।
एक बात बताऊं खुद के तेरे नाम में
दर्द-ए शायरा/शायर नाम जोड़ती है।।
उठ तू चलके देख अकेले इंसा
हिम्मत तेरी पहचान तब बोलती है।।
हिम्मत के आगे धराशाई होगा
ये दर्द कि डुगडुगी डोलती है।।
आज नहीं तो कल मुस्कुराएगा
दर्द -ए शायर/शायरा
ये तन्वी अपने अनुभव का,
हर राज़ आज खोलती है।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

CMYK

प्रतापपुर में शासकीय दुकान में बेची जा रही थी मिलावटी शराब, चार कर्मचारी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के प्रतापपुर में शासकीय विदेशी मदिरा दुकान के कर्मचारियों द्वारा शराब में मिलावटी का काम किया जा रहा था। मामले में संभागीय आबकारी उडऩ्दस्ता टीम ने चार कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी शराब दुकान से कुछ दूरी पर किराए के मकान में मिलाटवी का काम करते थे। टीम ने 52.375 लीटर मिलावटी शराब जब्त किया है। इसके अलावा टीम ने शराब की खाली बोतलें, ढक्कन, रेपर जब्त किया है। आबकारी टीम ने चारों कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग के संभागीय उडऩ्दस्ता दल को प्रतापपुर में मिलावटी शराब बेचे जाने की सूचना मिली थी। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में आबकारी उडऩ् दस्ता टीम ने सूरजपुर की आबकारी टीम के साथ विदेशी मदिरा दुकान प्रतापपुर में दबिश दी। दुकान पहुंचे पर सुपरवाइजर अंशु सोनी, सेल्समेन उपेंद्र चंद्रवंशी, संजय कुमार एवं मल्टीपरपज वर्कर राजा पंडवार उपस्थित मिले। दुकान की जांच करने पर 31 नग पानी की बोतलों में अंग्रेजी शराब को कटिंग कर (बोतलों से निकालकर) रखा गया था। दुकान से 31 लीटर विदेशी मदिरा व्हिस्की, 11 नग रॉयल चौलेंज व्हिस्की की बोतलों में मिलावटी शराब तथा 35 नग गोवा स्पेशल की अद्धी में मिलावटी शराब जब्त की गई। कर्मचारियों ने शराब में मिलावटी करने के लिए शराब दुकान से करीब 3 किमी दूर पर किराए के मकान ले रखा था। टीम ने तलाशी ली तो वहां लगभग 200 खाली बोतलें, 250 लेवल रैपर, तीन हजार से अधिक ढक्कन मिले हैं। मिलावटी शराब, खाली बोतलें, ढक्कन एवं रैपर को जब्त कर लिया गया है। टीम ने सुपरवाइजर अंशु सोनी, सेल्समेन उपेंद्र चंद्रवंशी, संजय कुमार एवं मल्टीपरपज वर्कर राजा पंडवार के खिलाफ धारा 34 (2) 38 (क) का 39 (ग) एवं 59 (क) के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को शुक्रवार को सूरजपुर कोर्ट में पेश किया गया। कार्रवाई में जिला सूरजपुर के आबकारी उप निरीक्षक प्रदीप वर्मा भी शामिल थे।

23 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

गांधीनगर पुलिस ने 23 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी काफी दिनों से अपने घर से अवैध शराब बिक्री करने का काम कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार गांधीनगर पुलिस 2 जनवारी को पेट्रोलिंग पर निकली थी। इस दौरान मुखबिर से जानकारी मिली की नमनाकला निवासी तिलक यादव उम्र 38 वर्ष अपने घर से अवैध महुआ शराब बिक्री करने का काम कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर उसके घर से 23 लीटर महुआ शराब जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल निवासी बलरामपुर जिले के पशुपतिपुर बसंतपुर का रहने वाला है। पुलिस ने इसके खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

युवक पत्नी के साथ कर रहा था विवाद, बीच बचाव करने पहुंची मां को उतारा मौत के घाट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम बनेया टोंगरीपारा निवासी एक युवक 2 जनवारी की देर रात पत्नी के साथ विवाद कर रहा था। इस दौरान युवक की मां ने बीच बचाव करने लगी। तभी युवक गुस्से में आकर अपनी मां के सीना और पीठ में लात-मुक्के से बेदम पिटाई कर दी। इससे उसे सांस लेने में दिक्कत होने लगी। उसे इलाज के लिए सीतापुर अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार चंवर साय उर्फ लूथरू बरगाह सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बनेया टोंगरीपारा का रहने वाला था। 2 जनवारी की रात को चंवर पत्नी के साथ विवाद कर रहा था। इस दौरान चंवर की मां रिद्धि बाइ बीच बचाव करने लगी। गुस्से में आकर चंवर ने अपनी मां के सिना व पीट में लात-मुक्के से बेदम पिटाई कर दी। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। वह वहां से भागकर पड़ोसी विजय चौहान के घर गई और घटना की जानकारी दी। पड़ोसियों ने उसे इलाज के लिए सीतापुर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने उसे जांच के दौरान मृत घोषित कर दिया। मामले में सीतापुर पुलिस ने आरोपी बेटा चंवर साय उर्फ लूथरू बरगाह को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

कांग्रेस के चक्काजाम से पहले शुरू हुई शहर की जर्जर सड़कों की मरम्मत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शहर से गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग व पीब्डल्यूडी की सड़कें काफी जर्जर है। लोगों का चलना मुश्किल हो रहा है। सड़क की दुर्दशा के विरोध में कांग्रेस ने 3 जनवरी को चक्काजाम की चेतावनी दी थी। जिला कांग्रेस दोपहर 2 बजे शहर के महामाया चौक पर चक्काजाम की तैयारी कर रही थी। इसी बीच चक्काजाम से पूर्व अधिकारियों ने सड़कों की मरम्मत कार्य शुरू करा दिया है।

निगम क्षेत्र के नेशनल हाइवे की महामाया चौक रोड, सदर रोड, देवीगंज रोड सहित अन्य सड़कें जर्जर हो चुकी है। सड़कों पर कई गड्ढे निकल आए हैं। जर्जर सड़कों पर चलना मुश्किल हो रहा है। जर्जर सड़क की मरम्मत कराने की मांग को लेकर 31 दिसंबर को जिला कांग्रेस ने विभाग के अधिकारी व एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर 3 जनवरी तक सड़क मरम्मत कराने की मांग की थी। नहीं तो चक्काजाम करने की चेतावनी दी थी। शुक्रवार की दोपहर तक जब सड़की मरम्मत कार्य शुरू नहीं कराए जाने पर जिला कांग्रेस महामाया चौक पर चक्काजाम की तैयारी कर रही थी। इसी बीच राष्ट्रीय राजमार्ग व पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने चक्काजाम से पूर्व महामाया चौक पर मरम्मत कार्य के लिए मैटेरियल गिराकर मरम्मत कार्य की शुरूआत कर दी। इसके बाद चक्काजाम स्थगित किया गया।

परिवार, दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए मैनपाट बन रहा पहली पसंद

- मैनपाट में पर्यटन विकास को मिलेगा बढ़ावा
- शिमला-मनाली की तर्ज पर मैनपाट में मॉल रोड बनाए जाने की घोषणा अनुसार साइट निरीक्षण कर शासन को भेजा गया है प्रस्ताव
- रोजगार के भी बढ़ेंगे अवसर...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

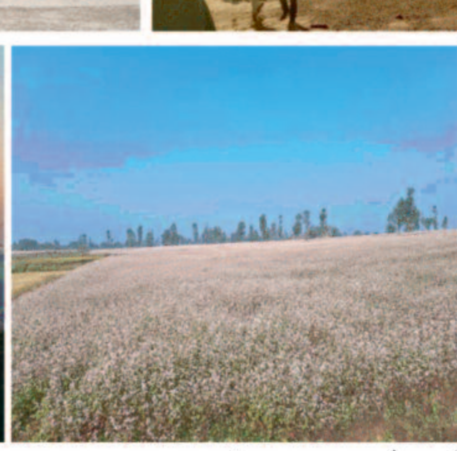

सरगुजा जिले का मैनपाट हिलस्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के चलते सैलानियों की पहली पसंद बनता जा रहा है, जिसका प्रमाण है नववर्ष 2025 में मैनपाट के हर स्पॉट पर बड़ी संख्या में पहुंचे पर्यटक। सिर्फ संभाग के आसपास के जिलों से नहीं, उड़ीसा, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश राज्यों से भी लोग मैनपाट की खूबसूरती देखने पहुंचे। प्रकृति की गोद में रचे-बसे इस हिलस्टेशन में वर्षभर मौसम खुशनुमा रहता है। लेकिन ठंड के मौसम में यह छुट्टियां मनाने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। दर्शनीय स्थलों, पहाड़ियों, नदी-झरनों, चारों ओर फैली हरियाली को देखने यहां बड़ी संख्या में सैलानियों का आना जाना लगा रहता है।

मैनपाट में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन द्वारा नित नए प्रयास किए जा रहे हैं। सैलानियों के ठहरने की सुविधा हेतु छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा रिजॉर्ट शैला और करमा का निर्माण किया गया है। जिससे आसानी से लोगों को रहने की सुविधा मिल सके। वहीं पर्यटन स्थलों में पहुंच मार्ग से लेकर सौंदर्यीकरण, आधारभूत सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा गया है।

इसी कड़ी में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मैनपाट में मॉल रोड बनाए जाने हेतु प्रयास किया जा रहा है। मैनपाट महोत्सव के अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मैनपाट में मॉल रोड बनाने की घोषणा की गयी थी। जिसके परिप्रेक्ष्य में पर्यटन विभाग एवं राजस्व विभाग के साथ संयुक्त निरीक्षण किया जा चुका है, साथ ही प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है। मॉल रोड हेतु दो साइट का निरीक्षण किया गया है जिसमें पेट्रोल पंप कमलेश्वरपुर से तिब्बती मंदिर तक मार्ग और पेट्रोल पंप कमलेश्वरपुर से निजी होटल तक मार्ग का निरीक्षण कर प्रस्ताव प्रेषित किया गया है।

पर्यटन की सम्भावना बढ़ने के साथ रोजगार के भी बढ़ेंगे अवसर

शिमला-मनाली हिल स्टेशन के मॉल रोड बेहद प्रसिद्ध है। जहां स्थानीय मार्केट आकर्षण के केंद्र हैं। मैनपाट में मॉल रोड बन जाने से एक और आकर्षण का केंद्र बनेगा। प्राय: शिमला मनाली जैसे हिल स्टेशनों के मॉल रोड का एहसास अब मैनपाट आने वाले पर्यटकों को भी होगा। वहीं स्थानीय उत्पादों और मार्केट को भी बढ़ावा मिलेगा। लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे। स्थानीय अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से बूस्ट होगी।

भ्रमण के दौरान वन कर्मचारियों से मारपीट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 03 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

तीन माह पूर्व एक ग्रामीण ने वन विभाग के कर्मचारियों के साथ मारपीट व जातीगत गाली गलौज किया था। बीट गार्ड ने मामले की रिपोर्ट कमलेश्वरपुर थाना में दर्ज कराई थी। आरोपी पिछले तीन माह से फरार चल रहा था। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार मदनेश्वर प्रसाद पैकरा अंबिकापुर के बकना खुर्द का रहने वाला है। वह वन विभाग कमलेश्वरपुर में कार्यरत है। 21 सितंबर को कर्मचारी वन रक्षक बीट नागांडांड जयनाथ पन्ना व बिसरपानी के चौकीदार के साथ वन भ्रमण पर निकला था। गांव भुडुपानी पारा के जंगल में एक साल का पेड़ कटा हुआ था। वन कर्मचारी उक्त लकड़ी नाम जोक कर रहे थे। ग्राम बिसरपानी के नरेश यादव एवं अन्य आए और मदनेश्वर व अन्य कर्मचारियें के साथ गाली गलौज व मारपीट करने लगे। नरेश यादव ने शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए टांगी के बेंट से मारपीट किया था। मनदेश्वर ने मामले की रिपोर्ट कमलेश्वरपुर थाना में दर्ज कराई थी। तब से आरोपी फरार चल रहा था। मामले में पुलिस ने 2 जनवारी को आरोपी नरेश यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा धारा 296, 351(2), 121(1), 132, 221, 324, 3(5) व एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2) (1) (क) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

कोलकाता से बाइक से चिरमिरी जा रहे युवक की हादसे में मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 03 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कोलकाता के दो युवक को सोशल मीडिया के दोस्त से मिलने का ऐसा जुनून था 700 किमी का सफर बाइक से ही तय कर दिया। दोनों 31 दिसंबर की रात को कोलकाता से चिरमिरी जाने निकले थे। कडक़ड़ाती ठंड में 16 घंटे का सफर कर 1 जनवारी की शाम 4.30 बजे अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग स्थित चुलकी घाट के पास पहुंचे ही थे कि अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। पुलिस ने दोनों युवकों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार शेख सोहम हुसैन पिता शेख मुजमील उम्र 20 वर्ष व राजा उर्फ सोहेल दोनों दोस्त थे। दोनों कोलकाता हावड़ा पश्चिमबंगाल के रहने वाले थे। इन दोनों युवकों की दोस्ती सोशल मीडिया के माध्यम से चिरमिरी निवासी एक युवक से हुई थी। सोहम व राजा दोनों सोशल मीडिया के दोस्त से मिलने का निणर्य लिया। दोनों पलान कर 31 दिसंबर की रात करीब 12 बजे बाइक से ही चिरमिरी के लिए निकल पड़े। कडक़ड़ाती ठंड में दिन-रात 16 घंटे बाइक चलाकर 1 जनवारी की शाम करीब 4.30 बजे अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग स्थित चुलकी घाट के पास पहुंचे ही थे कि अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान 2 जनवरी की सुबह शेख सोहम हुसेन की मौत हो गई।

बाइडन की पत्नी को पीएम मोदी ने दिया था अनमोल हीरा,किसी भी वैश्विक नेता का सबसे महंगा तोहफा

वॉशिंगटन,03 जनवरी 2025। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2023 में प्रथम महिला जिल बाइडन को 20 हजार डॉलर का हीरा दिया था, जो किसी भी विदेशी नेता द्वारा बाइडन परिवार को दिया गया सबसे महंगा तोहफा था।

जून 2023 में व्हाइट हाउस में निजी रात्रिभोज के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने 7.5 कैरेट का हीरा दिया था। उस समय की विनिमय दर (एक्सचेंज रेट) के अनुसार, इस हीरे की कीमत करीब 16 लाख रुपये थी। एक साल बाद जनवरी 2025 में भारतीय मुद्रा में इसकी कीमत 17.15 लाख रुपये है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने जिल बाइडन को कुछ और उपहार भी दिए, जिनमें एक उकेरा हुआ चंदन का डिब्बा, उपनिषद के दस सिद्धांत नामक पुस्तक, एक मूर्ति और एक तेल का दीपक शामिल थे। इन उपहारों की कुल कीमत करीब 6,232 डॉलर आंकी गई है।

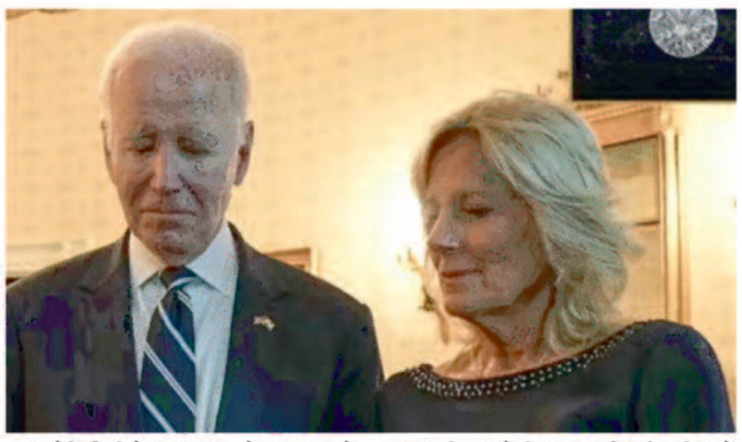

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट में कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन को मिले तोहफों को नेशनल अर्काइव्स एंड रिकॉर्ड्स एडमिनिस्ट्रेशन (एनएआरए) को सौंप दिया गया है। वहीं, प्रथम महिला को दिया गया हीरा ईस्ट विंग में आधिकारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ईस्ट विंग व्हाइट हाउस के पूर्व दिशा में है। यह हिस्सा मुख्य भवन से जुड़ा है और अक्सर प्रशासनिक कार्यों या अन्य आधिकारिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है। ईस्ट विंग में आमतौर पर प्रथम मिहिला के कार्यालय और अन्य प्रशासनिक विभाग होते हैं।

यह 7.5 कैरेट का हीरा गुजरात के सूरत शहर में एक फैक्ट्री में तैयार किया गया था। यहां ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया गया था, जो धरती के अंदर प्राकृतिक हीरे बनने की प्रक्रिया का कृत्रिम रूप से दोबारा करती है। जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के स्मित पटेल ने कहा, यह हीरा आजादी के 75 वर्षों का प्रतीक था और इसे हरित उर्जा से बनाया गया था। यह भारत के हरित और नवीकरणी उर्जा की दिशा में बढ़ते कदम का प्रतीक था।

जिल बाइडन को दूसरा सबसे महंगा उपहार जुलाई 2023 में यूक्रेन के अमेरिका में राजदूत ओक्साना मार्कारोवा ने दिया था। जिसकी कीमत करीब 14,063 डॉलर थी।

तहव्वुर राणा ने भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए की आखिरी कोशिश,सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

वॉशिंगटन,03 जनवरी 2025। मुंबई हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा ने भारत प्रत्यर्पण से बचने की आखिरी कोशिश की है। राणा के वकील ने अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर निचली अदालत के फैसले की समीक्षा करने की अपील की है। इस याचिका में राणा के वकील ने दोहरे खतरे के सिद्धांत का हवाला दिया है। ये सिद्धांत एक ही अपराध के लिए दो बार मुकदमा चलाने से रोकता है। भारत लंबे समय से पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। वह साल 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले के मामले में वांछित है।

राणा ने तर्क दिया कि उसे इलिनोइस (शिकागो) की संघीय अदालत में 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले से संबंधित आरोपों पर मुकदमा चलाया गया और बरी कर दिया गया था। अब भारत भी उन्हें आरोपों के आधार पर प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है,जिनके आधार पर शिकागो की अदालत ने राणा को बरी कर दिया था। हालांकि अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल ने कहा था कि सरकार यह नहीं मानती कि जिस आचरण के लिए भारत प्रत्यर्पण चाहता है, वह इस मामले में कवर हो चुका है। तहव्वुर राणा अमेरिकी अपील न्यायालय सहित निचली अदालतों और कई संघीय अदालतों में कानूनी लड़ाई हार चुका है। अब उसने ताजा याचिका से अपना प्रत्यर्पण रोकने की संभवतः आखिरी कोशिश की है।

बता दें कि अमेरिकी सरकार भी राणा के प्रत्यर्पण के लिए तैयार है और बीती 16 दिसंबर को ही अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल एलिजाबेथ बी प्रीलोगर ने सुप्रीम कोर्ट से राणा की याचिका को खारिज करने की अपील की थी। राणा के वकील ने अमेरिकी सरकार की सिफारिश को चुनौती दी और सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि उसकी रिट स्वीकार की जाए। राणा की याचिका पर 17 जनवरी को सुनवाई होगी। राणा, वर्तमान में लॉस एंजेलिस की जेल में बंद है। राणा पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से जुड़ा हुआ था, जो 26/11 मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है।

सिलिकॉन वैली में अब ट्रंप की पकड़ बहुत मजबूत

वॉशिंगटन,03 जनवरी 2025। भारतीय अमेरिकी निवेशक आशा जडेजा मोटवानी ने दावा किया है कि नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सिलिकॉन वैली पर मजबूत पकड़ है और अब सिलिकॉन वैली की हर चीज से ट्रंप गहराई से जुड़े हुए हैं। इसकी वजह ये है कि ट्रंप ने सिलिकॉन वैली के कई एंटरप्रेन्योर्स को अपनी सरकार में अहम जिम्मेदारी दी है।

सिलिकॉन वैली के कई विशेषज्ञों को ट्रंप ने अपने साथ जोड़ा

अमेरिका की शीर्ष निवेशक आशा जडेजा मोटवानी ने कहा कि %सिलिकॉन वैली अब ट्रंप से गहराई से जुड़ी हुई है। मैं अपने साथी निवेशकों और तकनीकी उद्यमियों डेविड सैक्स और श्रीराम कृष्णन आदि के साथ मिलकर स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल नियामक प्रणाली विकसित करने के लिए काम करने के लिए उत्साहित हूं। ट्रंप ने सिलिकॉन वैली के डेविड सैक्स को व्हाइट हाउस एआई और

क्रिप्टो ज़ार के रूप में नामित किया है और भारतीय अमेरिकी श्रीराम कृष्णन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए वरिष्ठ नीति सलाहकार नियुक्त किया है।

गूगल समेत 100 से ज्यादा स्टार्टअप में है आशा जडेजा मोटवानी का निवेश

मोटवानी, गूगल के शुरुआती निवेशकों में से एक हैं और गूगल के अलावा उन्होंने सिलिकॉन वैली के 100 से भी ज्यादा स्टार्टअप में निवेश किया हुआ है। आशा जडेजा मोटवानी के दिवंगत पति स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर राजीव मोटवानी ने ही गूगल के कंपनी बनने से पहले उसकी एल्गोरिदम को बनाया था और वे गूगल के संस्थापक लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन के गुरु थे।

मोटवानी, डोनाल्ड ट्रंप के शुरुआती समर्थकों में से एक रही हैं। सिलिकॉन वैली से जुड़े एंटरप्रेन्योर्स को ट्रंप सरकार में अहम जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जताते हुए आशा जडेजा मोटवानी ने कहा कि %तकनीकी इंडस्ट्री को लीना खान जैसे विचारकों द्वारा बहुत लंबे समय तक परेशान किया गया। अगर उनकी जगह कोई ऐसा व्यक्ति आ जाए जो इस मुश्किल समय में अमेरिकी प्रौद्योगिकी नेतृत्व के रणनीतिक महत्व को समझता हो, तो यह ताजी हवा की सांस होगी।

भारतीय स्टार्टअप्स को बढ़ावा दे रहीं मोटवानी

मोटवानी पिछले कुछ वर्षों में भारतीय स्टार्टअप की बड़ी समर्थक बनकर उभरी हैं। मोटवानी जडेजा फाउंडेशन ने ही लास वेगास में 7-11 जनवरी तक होने वाले कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (CES) 2025 में इंडिया पैवेलियन की मेजबानी करने का फैसला किया है। इस साल मंडप में 10 होनहार भारतीय स्टार्टअप शामिल होंगे, जो भारत में तेजी से बढ़ रहे नवाचार और उद्यमशीलता की भावना का उदाहरण पेश करेंगे।

जंग के मैदान में इंसानों के फैसले लेने का काम एआई नहीं कर सकता

बीजिंग, 03 जनवरी 2025। चीन की सेना लगातार आधुनिक तकनीकों में निवेश कर रही है, इसके साथ उसने अपने सैनिकों को चेतावनी दी है कि वे युद्ध के मैदान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर ज्यादा निर्भर न हों। सेना ने कहा है कि एआई केवल एक उपकरण होना चाहिए, जो इंसानों को मार्गदर्शन दे, न कि इंसानी फैसलों की जगह ले, क्योंकि एआई में खुद की समझने की क्षमता नहीं होती। चीन की सेना के आधिकारिक अखबार पीपुल्स लिबरेशन आर्मी डेली ने नए साल की संध्या पर प्रकाशित एक लेख में कहा,एआई को हमेशा इंसानी फैसलों की तरफ से नियंत्रित रहना चाहिए ताकि जवाबदेही, रचनात्मकता और रणनीतिक लचीलापन बनाए रखा जा सके।

इंसानी क्षमता बढ़ाने के लिए हो एआई का इस्तेमाल

उन्होंने यह भी बताया कि एआई का इस्तेमाल इंसानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है, जैसे डेटा का विश्लेषण, योजनाएं

बनाना और सिमुलेशन, लेकिन इंसानी सोच और निर्णय लेने की क्षमता को पूरी तरह से नहीं बदला जा सकता। लेख में कहा गया है कि युद्ध के मैदान में इंसानी रचनात्मकता और स्वायत्तता बहुत जरूरी है। इंसानी कमांडर परिस्थिति के अनुसार निर्णय ले सकते हैं और दुश्मन की कमजोरियों का फायदा उठा सकते हैं, जबकि एआई केवल पहले से तय एल्गोरिदम के हिसाब से काम करता है और उसके जवाब अक्सर रचनात्मकता से दूर होते हैं।

इंसान योजना बनाएं और एआई उसे लागू करे

चीनी सेना ने %इंसान योजना बनाएं और एआई उसे लागू करे% का मॉडल अपनाने की बात कही है। इस मॉडल में तकनीक का इस्तेमाल रणनीतियां और योजनाएं लागू करने के लिए होता है, लेकिन इंसानी निगरानी जरूरी होती है। एआई का काम मुख्य रूप से डेटा का विश्लेषण करना, सुझाव देना और संभावित कदम बताना है, लेकिन अंतिम निर्णय हमेशा इंसानी कमांडरों की तरफ से लिया जाएगा ताकि एआई की गलतियों से बचा जा सके। लेख में यह भी कहा गया है कि एआई अपने कामों पर खुद समीक्षा नहीं कर सकता और अपनी गलतियों की जिम्मेदारी नहीं ले सकता, जो कि इंसानी कमांडर कर सकते हैं।

पेंटागन की रिपोर्ट में दावा- चीन बढ़ा रहा अपनी युद्ध क्षमता

अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की पिछले महीने जारी रिपोर्ट में बताया गया कि चीनी सेना (पीएलए) सभी युद्ध क्षेत्रों जैसे जमीन, वायु, समुद्र, परमाणु, अंतरिक्ष, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में अपनी क्षमता बढ़ा रही है। लेकिन अब भी सेना में कई कमजोरियां हैं, जैसे लंबे दूरी तक सामान पहुंचाने की व्यवस्था, शहरी युद्ध और कमांडरों की दक्षता। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि चीनी नौसेना दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना है, जिसमें 370 से ज्यादा जहाज और पनडुब्बियां शामिल हैं। वहीं वायुसेना भी अपने विमानों और ड्रोन सिस्टम को तेजी से आधुनिक बना रही है। चीन का लक्ष्य 2049 तक अपनी सेना को विश्व-स्तरीय बनाना है।

सीरिया में इस्राइल की सर्जिकल स्ट्राइक, स्पेशल फोर्स के 120 कमांडोज ने तबाह की ईरान की मिसाइल फैक्ट्री

तेल अवीव,03 जनवरी 2025। इस्राइली वायु सेना ने गुरुवार को खुलासा करते हुए बताया कि उन्होंने सीरिया में एक सर्जिकल स्ट्राइक की थी। इस्राइली वायु सेना ने बताया कि यह उसके सबसे मुश्किल और जाबांज मिशन में से एक ऑपरेशन था, जिसमें स्पेशल फोर्स के 120 कमांडो ने सीरिया में घुसकर ईरान की एक मिसाइल फैक्ट्री को तबाह किया। इस्राइल ने बताया कि यह खुफिया और अहम ऑपरेशन बीते सितंबर में किया गया था। इस्राइल के कमांडोज ने सीरिया में घुसकर ईरान की भूमिगत मिसाइल फैक्ट्री पर छापा मारा और फिर उसे तबाह कर दिया।

हिजबुल्ला को हथियारों की सप्लाई के लिहाज से अहम थी फैक्ट्री

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान की इस मिसाइल फैक्ट्री में बनी मिसाइलों का इस्तेमाल हिजबुल्ला और सीरिया की असद सरकार द्वारा किया जा रहा था। जिस फैक्ट्री पर हमला किया गया, उसे साइंटिफिक स्टडीज एंड रिसर्च सेंटर के रूप में

जाना जाता है और यह सीरिया में राजधानी अलेप्पो के नजदीक पहाड़ी इलाके में मौजूद थी। यह फैक्ट्री इस्राइली सीमा से सीरिया में करीब 200 किलोमीटर अंदर मौजूद थी। हिजबुल्ला को हथियारों की सप्लाई के लिहाज से यह फैक्ट्री काफी अहम थी। इस ऑपरेशन में इस्राइल को कोई सैनिक हताहत नहीं हुआ था। अब असद सरकार के सीरिया की सत्ता से बाहर होने के बाद इस ऑपरेशन की जानकारी सामने आई है।

भूमिगत थी ईरानी फैक्ट्री

इस्राइली सेना को साल 2017 से ही ईरान की इस मिसाइल फैक्ट्री के बारे में जानकारी थी। भूमिगत होने के चलते इस्राइल यहां हवाई हमले नहीं कर पा रहा था। इस फैक्ट्री में रॉकेट मिसाइल के इंजन बनाए जा रहे थे और इस फैक्ट्री की क्षमता 100-300 मिसाइल सालाना बनाने की थी। जिस जगह यह फैक्ट्री थी, वह लेबनान के नजदीक थी। ऐसे में सीरिया की फैक्ट्री में मिसाइलें बनाकर उन्हें लेबनान में हिजबुल्ला के पास भेजा जाता था। गौरतलब है कि इस्राइली हमलों में हिजबुल्ला और हमास को भारी नुकसान हुआ है और दोनों संगठनों के शीर्ष नेतृत्व का लगभग सफाया हो चुका है।

शिक्षा के अधिकार में वर्णित मानदण्डों एवं शर्तों का पालन नहीं करना तथा आदेशों की अवहेलना पर क्रियेशन पब्लिक स्कूल की मान्यता रद्द

- संवाददाता -

अंबिकापुर,03 जनवरी 2025 (घटती-घटना)। विकासखण्ड सीतापुर अन्तर्गत संचालित क्रियेशन पब्लिक स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सीतापुर के द्वारा किया गया। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सीतापुर के निरीक्षण प्रतिवेदन के आधार पर अशासकीय विद्यालय क्रियेशन पब्लिक स्कूल भूसू को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार 2009 की धारा 18 क प्रयोजन के लिए सशर्त मान्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है, परन्तु विद्यालय द्वारा शिक्षा के अधिकार में वर्णित मानदण्डों एवं शर्तों का पालन नहीं करना तथा आदेशों की अवहेलना करने के कारण विद्यालय की मान्यता वापस ली गई है। वर्ष 2024-25 में अध्ययनरत कक्षावार छात्रों की सूची पालक-अभिभावकों का नाम पता मोबाईल नम्बर सहित 31 जनवरी 2025 तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अनिवार्यतः उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है, जिससे इस विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अन्य सुविधाजनक विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की कार्यवाही की जा सके।

बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को चीन ने किया खारिज,कहा...देश यात्रा के लिए सुरक्षित है...

बीजिंग,03 जनवरी 2025। चीन ने शुक्रवार को देश में फ्लू के बड़े पैमाने पर प्रकोप की खबरों को कमतर आंकते हुए कहा कि सर्दियों के दौरान होने वाली सांस से संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में इस साल कम गंभीर हैं। इसके साथ ही चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना सुरक्षित है।

मामले में चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने चीन में इन्फ्लूएंजा ए और अन्य सांस से संबंधी बीमारियों के प्रसार पर एक सवाल के जवाब में बीजिंग में मीडिया से कहा, उत्तरी इलाके में सांस संबंधी संक्रमण सर्दियों के मौसम में चरम पर होते हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में अस्पतालों में भीड़ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा,बीमारियां पिछले साल की तुलना में कम गंभीर और कम पैमाने पर फैलती हुई दिखाई दे रही हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि चीनी सरकार चीन में चीनी नागरिकों और विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है। उन्होंने सर्दियों में सांस से संबंधी बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के संबंध में चीन के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण और रोकथाम प्रशासन की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों का भी जिक्र किया। चीन में पिछले कुछ महीनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

बता दें कि, पिछले कुछ दिनों से चीन में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरें विदेशों में, खासकर भारत और इंडोनेशिया में फैल रही हैं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यह प्रकोप सर्दियों के दौरान होने वाली एक वार्षिक घटना है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि कोरोना के बाद चीन में एक और संक्रामक रोग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि अस्पताल और श्मशान घाटों में भारी भीड़ देखी जा रही है। इन खबरों ने सवाल खड़े कर दिए है कि क्या कोरोना की ही तरह चीन से एक और महामारी दुनियाभर में फैलने वाली है?

राजस्व निरीक्षक के खाते से आनलाइन 80 हजार रुपये की ठगी

- संवाददाता -

अंबिकापुर,03 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

भू अभिलेख शाखा में राजस्व निरीक्षक के खाते से आनलाइन 80 हजार रुपये की ठगी का मामला प्रकाश में आया है। घटना की जानकारी कोतवाली थाना पुलिस को दी गई है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पीछे सत्तीपारा नेहरू वार्ड निवासी राजस्व निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने पुलिस को बताया है कि उनका खाता भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा अंबिकापुर में है, जिसमें से किसी अनजान व्यक्ति के द्वारा 16 दिसम्बर 2024 को 24 बार लेन-देन किया गया है। खाता से एक लाख रुपये 20 बार में निकाला गया है, इस प्रकार कुल 80 हजार रुपये खाते से निकाला गया है। घटना से 17 दिसम्बर को बैंक के मुख्य शाखा में तथा साइबर थाना में अवगत कराया गया है। रिपोर्ट पर पुलिस जांच, विवेचना में जुट गई है।

विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, पति किसी दूसरे लड़की के साथ घूमता था...

अंबिकापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम लुचकी कांतिप्रकाशपुर में एक विवाहिता फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। इसके पीछे जो कारण सामने आया है वह विवाहिता के पति का किसी दूसरी लड़की के साथ घूमना था। सूचना पर पहुंची पुलिस मौका जांच व स्वजनों का बयान लेने के बाद मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक लुचकी कांतिप्रकाशपुर निवासी अंजली केरकेट्टा पति मल्लू केरकेट्टा 32 वर्ष गुरूवार की शाम को लगभग 6.30 बजे अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। कमरे का दरवाजा बंद देखकर स्वजन उसे आवाज लगाए लेकिन अंदर से किसी प्रकार की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। स्वजन जब अहाता फांदकर अंदर गए और देखे तो विवाहिता फांसी पर झूल रही थी। सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा, पोस्टमार्टम कराया है। बताया जा रहा है कि मृतिका का पति पिछले दो दिनों से किसी लड़की के साथ घूम रहा था, इसकी जानकारी विवाहिता को मिल गई थी और वह तनाव में रहने लगी थी। संभवतः इसी बात को लेकर पति से अनबन की स्थिति बनी होगी और वह खुदकुशी जैसा कदम उठा ली। पुलिस ने मामले में फिलहाल मर्ग कायम किया है और अग्रिम जांच, कार्रवाई में जुट गई है।

विकास खण्ड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का आयोजन

यही समय है,और सही समय है,पढ़ाई के साथ खेलकूद को जीवन में आगे बढ़ाना है : श्याम बिहारी जायसवाल

-संवाददाता-
खड़गवां,03 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।
आप लोगों ने जो कुछ भी मांग किया है वो तो कुछ भी नहीं,यहां से मेरी संवेदनाएं जुड़ी हुई है।जब इस ग्राउंड में परसा का झाड़ी था तो हम लोग बेशरम को काट कर टाटिया बनाया करते थे। आज आप लोग जो पेड़ देख रहे है उसका फल खा रहे होंगे वो सब हम लोगों के द्वारा लगाया गया है। मन दो प्रकार का होता है जब आप लोग सुबह 4 बजे उठने के बारे में सोचते होगे तो एक मन तो उठा देता है लेकिन वही दूसरा मन कहता होगा कि थोड़ा और सो लेते है और थोड़ा थोड़ा करके ज्यादा समय हो जाता होगा। महिला शसक्तीकरण को लेकर विष्णु देव साय की सरकार लगातार युद्ध स्तर पर काम कर रही है आज गांव गांव में लाइट लग गया है। प्रधानमंत्री जी सबको पक्का मकान दे रहे है और जिनको नहीं मिल पाया है उन्हें भी 3 से 4 साल में मिल जाएगा। अभी छत्तीसगढ़ को 6 लाख मकान मिला है, 3 लाख और मिलने वाला है और अभी 8 लाख जो पिछले समय का अधूरा था उसे पूरा कर रहे है इस प्रकार छत्तीसगढ़ में 18 लाख पक्का मकान बनना है उक्त बाते स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला प्रशासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग जिला एमसीबी द्वारा खड़गवां में आयोजित विकासखंड स्तरीय महिला खेल कूद प्रतियोगिता 2025 के दौरान कही। श्री जायसवाल ने आगे कहा कि सुबह उठने से स्वास्थ्य भी ठीक रहता है क्योंकि आज कमाई का 25 प्रतिशत हेल्थ में खर्चा होता है, मै प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करता हु जिन्होंने 5 लाख तक का इलाज के लिए हर गांव, शहर में गरीबों को और मध्यम वर्ग के लोगों को सिर्फ इनकम टैक्स पेई को छोड़कर सबको 05 लाख तक के इलाज की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने एक बात पर और जोर देते हुए कहा कि आज महिला शसक्त हो रही है, आज उनके खाते में हर माह 1000 रुपए सरकार दे रही किंतु उसमें से 500 रुपये आगे आने वाली बड़े खर्चों के लिए बचा कर रखने की आवश्यकता है। हमारी संस्कृति है कि शादी के बाद बेटियों को खाली हाथ नहीं विदा किया जाता है यह 500 रुपया उसमें भी बड़ा योगदान दे सकता है।

उल्लेखनीय रहे कि क्षेत्र के विधायक और प्रदेश में केबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान रखी गई मांग पर त्वरित निर्णय लेते हुए तत्काल अधिकारियों को निर्देशित किया और कहा कि आप लोग तय कर ले कि स्टेज कहा बनाना है। ज्ञात रहे कि विकास खण्ड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता 2025 में दो आयु वर्गों के बीच आयोजित किया गया जिसमें 9 से 18 और 19 से 35 वर्ष के शामिल रहा। मिनी स्टेडियम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड़गवां में आयोजित प्रतियोगिता में 10 खेलों का आयोजन किया गया जिसमें एथलेटिक्स, खोखो, हॉकी, बैडमिंटन, बास्केटबाल, फुटबॉल, रस्साकस्सी, कुश्ती, बॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग रहा। प्रतियोगिता का आयोजन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दो प्लेटो को बजाकर 100 मीटर की दौड़ के साथ शुरू कराया गया जिसमें 9 से 18 वर्ग में प्रथम सुमन देवाडांड, द्वितीय निर्मला कौड़ीमार, तृतीय मानमति खड़गवां और 19 से 35 आयु वर्ग में प्रथम सुशीला खड़गवां, द्वितीय अमरबती दुग्गी, तृतीय शारदा देवी खड़गवां रही इसी प्रकार 400 मीटर 9 से 18 वर्ग में के दौड़ में प्रथम सुमन देवाडॉड, द्वितीय रीता पेंड्री, तृतीय नीलिमा देवा डांड और 18 से 35 आयु वर्ग में प्रथम सुशीला खड़गवां, द्वितीय शारदा देवी खड़गवां, तृतीया पूजा सिंह गिद्ध मुड़ी ने बाजी मारी। इन सभी विजेताओं को मंत्री जी के हाथों सर्टिफिकेट का वितरण कर सम्मानित किया गया। इस पूरे आयोजन में निर्णायक मंडल में संजीव डे, नीरेंद्र नामदेव, कमल नायक, पी एन बाबू, रणधीर ठाकुर, यशवंत जोहले, गजेंद्र पैकरा, हितेश लकड़ा, किशन साहू शामिल रहे वही अतिथि के तौर पर खड़गवां भाजपा मंडल अध्यक्ष, धनंजय पांडे, अरुणोदय पांडे सहित सरपंच खड़गवां और अधिकारी कर्मचारी तथा भारी संख्या में प्रतिभागी, दर्शक मौजूद रहे।

राजकीय शोक के दौरान भी कार्यालय में मनाया गया नववर्ष का जश्न

PMGSY कोरिया कार्यालय की तस्वीर आई सामने

कलेक्टर कोरिया ने जहां बधाई संदेशों सहित किसी भी आयोजन से बनाई थी दूरी वहीं पीएमजीएसवाई कार्यालय की तस्वीर ने सभी को चौंकाया

कलेक्टर कोरिया का 1 जनवरी को ही था जन्मदिवस,पदोन्नति का भी आदेश उसी रात हुआ था जारी,फिर भी उन्होंने नहीं मनाया उत्साह नहीं स्वीकार की बधाई...

-जिला प्रतिनिधि-
बैकुंठपुर,03 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।
राजकीय शोक के समय में कोरिया जिले में एक कार्यालय में उत्साह का माहौल देखा गया और उत्साह आयोजन मनाया गया जबकि इस दौरान ऐसा आयोजन प्रतिबंधित था। यह कार्यालय पीएमजीएसवाई का कार्यालय था जहां नववर्ष उत्साह आयोजन कार्यालय में किया गया वह भी तब जब पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन पर प्रदेश सरकार की तरफ से राजकीय शोक का ऐलान था और कहीं भी शासकीय कार्यालयों में कोई भी मनोरंजक आयोजन उत्साह आयोजन प्रतिबंधित थे।
वैसे कोरिया जिले में कलेक्टर ने खुद ऐसे आयोजनों से परहेज कर रखा था और उन्होंने खुद को नववर्ष आयोजनों साथ ही बधाई संदेशों से जो उनकी पदोन्नति संबद्ध में मिलनी थी से दूर रखा था। जिले की मुखिया की भी परवाह नहीं की पीएमजीएसवाई कार्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों ने और उन्होंने नववर्ष उत्साह आयोजन की विधिवत घोषणा की आमंत्रण बांटा और फिर आयोजन किया। वैसे पीएमजीएसवाई कार्यालय बैकुंठपुर का पहली बार सुर्खियों में आया है वहीं उसकी कारस्तानी छिपी नहीं है कि कैसे वहां शासकीय निर्देशों को लेकर नहीं मानने की स्थिति रहती है। पीएमजीएसवाई कार्यालय है तो जिला कार्यालय लेकिन उसका अन्यत्र होना ही वहां की मनमानी का कारण बना हुआ है बताया जाता है कि वहां का नववर्ष उत्साह आयोजन ठेकेदारों की तरफ से आयोजित था जिसके लिए ठेकेदारों से साथ ही सरपंचों से भारी भरकम राशि नववर्ष आयोजन के लिए वसूली गई थी और जिसका काफी दबाव था जैसा बताया जा रहा है। वसूली के बाद का आयोजन भी वृहद था जिसमें यह भी ध्यान नहीं रखा गया कि राजकीय शोक का समय है और वसूली राशि में से कुछ खर्च कर आयोजन हुआ वहीं शेष का बंदरबाट हुआ।

ट्रैफिक रूल के उल्लंघन पर सूरजपुर पुलिस ने 212 वाहन चालकों पर किया कार्रवाई

79800 रूपये वसूल की गई समन शुल्क

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस सड़क हादसों से बचाव के लिए लोगो को जागरूक करने के साथ ही यातायात नियमों का पालन नहीं करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही भी कर रही है। गुरूवार, 02 जनवरी को जिले के थाना-चौकी व यातायात पुलिस ने ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वाले 212 लोगों पर कार्यवाही करते हुए 79800 रूपये का समन शुल्क वसूल किया है।

थाना-चौकी प्रभारी सहित यातायात पुलिस के द्वारा विभिन्न चौक-चौराहों, अंतर्राज्जीय व जिले की सरहदी क्षेत्र में स्थित बैरियर में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाकर 212 वाहन चालक जो बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, नियम तोड़ने, बिना नंबर वाहन चलाते पाए जाने पर उनके विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् कार्यवाही कर 79800 रूपये का समन शूल्क अर्जित कर शासन के कोष में जमा किया। सूरजपुर पुलिस ने वाहन चालकों से अपील किया है कि जिले की यातायात व्यवस्था को सुगम सुरक्षित बनाने में पुलिस का सहयोग करें, यातायात नियमों का पालन करें, शराब का सेवन कर वाहन न चलाए, वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करें, अपने नाबालिक बच्चों को कभी भी वाहन न दे जब-तक वे 18 वर्ष के न हो जाये व परिवहन विभाग से वाहन चलाने का वैध लायसेंस न बना ले। दोपहिया में तीन सवारी न चले, बिना हेलमेट बाईक न चलाए, बिना सीट बेल्ट चार पहिया वाहन न चलाए, दुर्घटना से देर भली-जीवन अनमोल है। यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने व चेकिंग अभियान में जिले के सभी थाना-चौकी व यातायात पुलिस मजबूती के साथ लगी हुई है।

पुलिस ने हैवी वाहन चालकों को दी यातायात नियमों की जानकारी

ट्रैफिक नियमों का पालन करने से होगी जान-माल की सुरक्षा

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिलेवासियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के साथ थी हैवी वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों से अवगत कराकर उसका पालन करने की हिदायत देने के निर्देश दिए है। निर्देश के परिपालन में शुक्रवार, 03 जनवरी को चौकी प्रभारी खड़गवां के द्वारा जगन्नाथपुर महान-3 खदान में कोयला परिवहन कर रहे हैवी वाहन चालकों व मौजूद वर्करों को यातायात नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दिया और कहा कि सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है।

इस दौरान चौकी प्रभारी खड़गवां योगेन्द्र जायसवाल ने खदान में मौजूद 400 वाहन चालकों व खदान में मौजूद वर्करों को बताया के शराब पीकर वाहन न चलाए, वाहन चलाने के दौरान मोबाईल का उपयोग न करें, वाहन की हेड लाईट व इंडिकेटर ठीक काम कर रही है या नहीं उसे नियमित चेक करें, मालवाहक वाहन में कभी को सवारी न बैठाये, कोयला परिवहन करते समय कोयला को तिरपाल से कवर कर परिवहन करें, ओवर स्पीडिंग से बचें क्योंकि ओवर स्पीडिंग से रोड एक्सिडेंट का खतरा कई गुना बढ़ जाता है, निर्धारित स्पीड लिमिट का पालन कर सावधानी से वाहन चलाए। दो पहिया वाहन चलाने के दौरान हेलमेट का उपयोग अवश्यक करें, तीन सवारी कभी न चले। चौकी प्रभारी ने प्रमुखता से कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है और सभी ट्रैफिक नियमों का पालन करेंगे तो जान-माल के नुकसान से बचा जा सकता है।

पर्यटन स्थल अमृतधारा में परियोजना निदेशक नितेश उपाध्याय ने किया श्रमदान

-संवाददाता-
एमसीबी,03 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।
जिले के बहुचर्चित और रमणीय स्थल अमृतधारा में जिले के अधिकारियों सहित ग्रामीणों आगंतुकों ने स्वच्छता श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। नये वर्ष के आगमन से अमृतधारा का लुफ्त उठाने हेतु हजारों की संख्या में पर्यटक अमृतधारा पहुंचते है। पिकनिक मनाते हुए जागरूकता के अभाव में जगह-जगह प्लास्टिक की थैलियों एवं बचे हुए अपशिष्ट को स्थल पर ही छोड़ देते है। स्थल पर सामुदायिक स्वच्छता हेतु जहां श्रमदान स्वच्छता की पहल की वही दूसरी और अपना कचरा अपनी जिम्मेदारी हेतु समझाइए भी दी गई। मंदिर समिति के पुजारी के द्वारा अमृतधारा स्थल पर स्वच्छता हेतु माइक के माध्यम से आगंतुकों से गंदगी न करने हेतु भी अनुरोध किया जाता है। श्रमदान कर परियोजना निदेशक नितेश उपाध्याय ने 2025 में सामुदायिक स्वच्छता हेतु घरेलू गंदे पानी, जल संवर्धन जल संरक्षण हेतु, सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध, सोर्स सेग्रीगेशन, हेतु स्वच्छता शपथ दिलाई एवं संकल्प पर हस्ताक्षर किए गए। जिसमें जिला खनिज अधिकारी दयानंद तिग्गा, खनिज इंस्पेक्टर आदित्य मानकर, जनपद सीईओ वैशाली सिंह, सचिव संतलाल साहू एवं स्वच्छग्राही समूह की महिलाएं उपस्थित रही।

अवैध 11 क्विंटल कोयला जप्त, चौकी खड़गवां पुलिस की कार्यवाही

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कारोबार पर शत-प्रतिशत अंकुश लगाने के सख्त निर्देश थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है। इसी क्रम में दिनांक 03.01.2025 को चौकी खड़गवां पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि जगन्नाथपुर महान-3 के खदान से चोरी की गई कोयला को ग्राम जगन्नाथपुर में लावारिश हालत में डम्प किया गया है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां करीब 11 क्विंटल अवैध कोयला कीमत करीब 6600 रूपये का डम्प होना पाया जिसे जप्त कर धारा 106 बीएनएसएस के तहत जप्त कर आगे की कार्यवाही की जा रही है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी योगेन्द्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक विनय, आरक्षक अशोक कनौजिया, मनोज राय, अनिल, हरिशंकर सिंह व विकास सिंह सक्रिय रहे।

इश्तेहार/जाहिर सूचना

मै Abhaya Devu K K (Kinaruvilayil Krishna Pillai) S/O R. Krishna Pillai (Raman krishna Pillai) आयु लगभग 56 वर्ष वर्तमान मे साऊथ ईस्टर्न कोलफिल्ड लिमिटेड (कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी) के भटगांव क्षेत्र मे फोरमैन प्रभारी (इलेक्ट्रिकल) के रूप में कार्यरत है और बी-183, शक्तिनगर, जरही पीओ : भटगांव कोलियरी, जिला-सूरजपुर, छत्तीसगढ़ पिन-497235 में रहते है। कि अलग-अलग दस्तावेजों में दर्ज सभी नाम अर्थात Abhaya Devu K K S/O R Krishna Pillai, Abhai Deo KK S/O R K Pillai, Abhya Devu K K S/O R K Pillai and Abhay Dev K K S/O R Krishna Pillai एक ही व्यक्ति के हैं और मैं सभी उद्देश्यों के लिए Abhaya Devu K K S/O R Krishna Pillai के रूप में जाना पहचाना और लिखा जाऊंगा।

Abhaya Devu K K
Jarhi, PO. Bhatgaon

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0.......... /अ- 20(3) /2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश अग्रवाल आ0 स्व0 रामऔतार अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला बाबूपारा जेलपारा नगर अम्बिकापुर शीट नंबर -9 स्थित प्लाट नम्बर 3467/4866/84 रकबा 3250 वर्गफीट भूमि को अनावेदक विनय अग्रवाल आ0 श्री राधा कृष्णा अग्रवाल निवासी 152 श्री राम अस्पताल गली ब्रम्ह मार्ग अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-गोपालपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक रूपेश मित्तल पिता राम बिलास मित्तल जाति-अग्रवाल निवासी ग्राम मिश्रागली, तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम गोपालपुर प0ह0नं0 09, रा0नि0मं0 सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 622/11 रकबा 0.310 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 15/01/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/अपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 01/01/25 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया

(सील) विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

क्या विष्णु के सुशासन में एक भद्दे दाग की तरह है ये प्रभारी डीपीएम ?

प्रिंस जायसवाल की शिकायत जांच योग्य नही:जांचकर्ता पुलिस अधिकारी

आरटीआई से मिली जानकारी में जांच पत्र आया सामने

प्रदेश में एकमात्र काबिल डीपीएम...खबर लगने पर फड़फड़ाने क्यों लगे प्रभारी डीपीएम प्रिंस साहब ?

क्या बार-बार एक डीपीएम को मंच पर पुरस्कृत करने से धूमिल नहीं होती हुई किसी संस्था की छवि ?

खुद पर लगा है एक साल में 3 डिग्री लेने का आरोप,उसे दबाने अब नया हथकंडा अपना रहा प्रिंस ?

कोरिया से लेकर सूरजपुर और संभाग भर में होती है क्यों प्रिंस की चर्चा ?

कोई भी स्वास्थ्य अधिकारी अब प्रिंस को अपने जिले में नहीं रखना चाहता...सूत्रों का दावा

पैसा दो ईनाम पाओ...यह है प्रिंस की असली कहानी

-जिला प्रतिनिधि-
सूरजपुर/कोरिया,03 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

क्या विष्णु के सुशासन में एक भद्दे दाग की तरह है ये प्रभारी डीपीएम? यह सवाल अब काफी गंभीर सवाल हो चुका है वह भी वर्तमान सरकार के लिए क्योंकि जिस तरीके से एक प्रभारी डीपीएम के लिए सारे नियम शिथिल हो गए हैं, इसे लेकर यह सवाल तो अब खड़ा होने लगा है, आखिर क्या वजह है कि इस दागी के ऊपर कार्यवाही को लेकर स्थितियां असामान्य देखी जा रही है, जबकि स्थितियां सामान्य है नहीं। सिर्फ एक बार विधिवत जांच की जरूरत है जो जांच विष्णु का सुशासन ही कर सकता है, क्योंकि इन्हीं से अब उम्मीद भी है अब देखना यह है की उम्मीद कब पूरी होती है?

आपको बता दें कि कोरिया जिले के तत्कालीन प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की फर्जी डिग्री मामले में उसी की शिकायत पर जांच हो चुकी है, जिसमे साबरमती यूनिवर्सिटी अहमदाबाद से आए पत्र में साफ डिग्री को फ्रॉड बताया है और उंसमे यह भी लिखा है कि ऐसा कोई कोर्स उनके यहां नही होता और न ही प्रिंस जायसवाल उनका स्टूडेंट है। पुलिस ने प्रिंस जायसवाल की शिकायत जिसमे उसने अज्ञात लोगों,पत्रकार और संजय जायसवाल पर यह आरोप लगाते शिकायत की थी कि ये लोग उसकी छवि धूमिल कर रहे है, इसकी जांच रिपोर्ट आप पढ़िए,जिसमें उसकी शिकायत को जांच योग्य ही नही पाया गया है, जब इसके खिलाफ खबर लगती है तो ये पत्रकारों को धमकाने के लिए नोटिस भेजता है या शिकायत करता है।

डाक से क्यों...ईमेल से क्यों नही ?

प्रिंस द्वारा पुलिस में प्रस्तुत पत्र मार्च 2024 का है जबकि साबरमती यूनिवर्सिटी अहमदाबाद के जुलाई 2024 का पत्र है,आप को बता दे कि कोरिया जिले में अक्टूबर 2022 से जुलाई 2024 तक फर्जी कोटेशन बनाकर खरीदी का मामला सामने आ रहा है, ऐसा ही कहीं साबरमती यूनिवर्सिटी अहमदाबाद का फर्जी लेटरपेड बनाने का मामला तो नही है? फर्जी लेटरपेड बनाकर डाक से भेजा गया? क्योंकि यदि ईमेल से भेजा जाता तो साबरमती यूनिवर्सिटी का ईमेल दिखता, इसलिए जानबूझकर डाक से भेज कर फर्जी पत्र भेजा गया हो? इसकी जांच बेहद जरूरी है कि साबरमती यूनिवर्सिटी अहमदाबाद का मार्च 2024 का पत्र किसने कूटरचित कर बनाया गया है ऐसा सूत्रों का दावा है।

क्या पत्रकारों की शिकायत करके वह अपनी डिग्री को सही साबित कर लेंगे ?

वैसे यदि प्रिंस जायसवाल की डिग्री फर्जी है जैसा कि आरोप है और जिसकी पुष्टि के लिए तथ्य भी प्रस्तुत हैं तो क्या वह केवल पत्रकारों की शिकायत करके अपनी डिग्री सही साबित कर लेंगे? वैसे यदि उनकी डिग्री सही मायने में फर्जी है तो फिर यह उन लाखों करोड़ों युवाओं के लिए काफी हतोत्साहित करने वाली खबर है, जिन्हें नौकरी और अच्छी नौकरी की तलाश है योग्यता के बल पर छल के बल पर नहीं। शेष प्रिंस जायसवाल स्वतंत्र है कि वह शिकायत पत्रकारों की करते रहें और अपनी डिग्री को सही साबित करने उनसे लड़ते रहें, जबकि उनकी डिग्री सही होती वह उसे सामने रखते तीन नई फर्जी डिग्री बनाकर फिर से खुद को विवादों में नहीं फंसाते वैसे डिग्री फर्जी नहीं होती वह उसे लेकर जरूर तथ्य रखते और जिससे यह साबित है डिग्री फर्जी है।

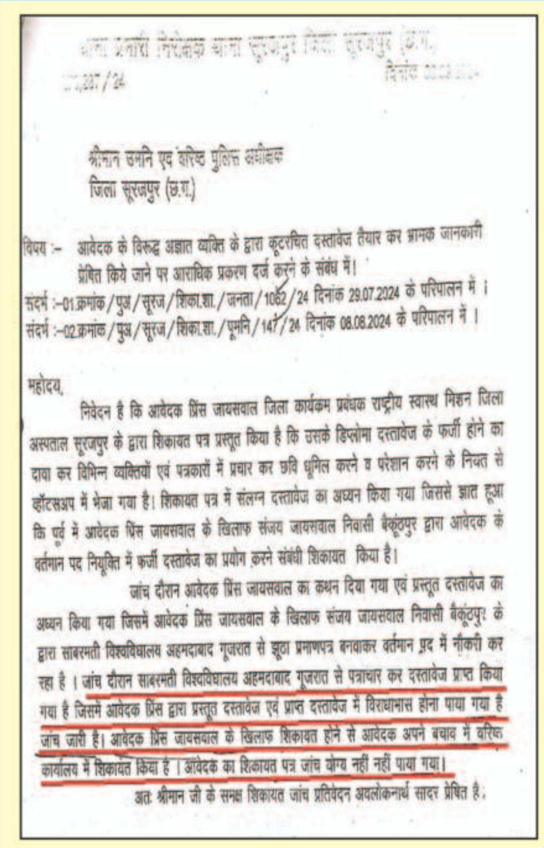

थाना प्रभारी निरीक्षक थाना सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.)
/2387/24 दिनांक [illegible]

श्रीमान उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

विषय :- आवेदक के विरूद्ध अज्ञात व्यक्ति के द्वारा कूटरचित दस्तावेज तैयार कर भ्रामक जानकारी प्रेषित किये जाने पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के संबंध में।
संदर्भ :-01.क्रमांक/पुअ/सूरज/शिका.शा./जनता/1062/24 दिनांक 29.07.2024 के परिपालन में ।
संदर्भ :-02.क्रमांक/पुअ/सूरज/शिका.शा./पुमनि/147/24 दिनांक 08.08.2024 के परिपालन में ।

महोदय,

निवेदन है कि आवेदक प्रिंस जायसवाल जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन जिला अस्पताल सूरजपुर के द्वारा शिकायत पत्र प्रस्तूत किया है कि उसके डिप्लोमा दस्तावेज के फर्जी होने का दावा कर विभिन्न व्यक्तियों एवं पत्रकारों में प्रचार कर छवि धूमिल करने व परेशान करने के नियत से व्हॉटसअप में भेजा गया है। शिकायत पत्र में संलग्न दस्तावेज का अध्यन किया गया जिससे ज्ञात हुआ कि पूर्व में आवेदक प्रिंस जायसवाल के खिलाफ संजय जायसवाल निवासी बैकूंठपुर द्वारा आवेदक के वर्तमान पद नियूक्ति में फर्जी दस्तावेज का प्रयोग करने संबंधी शिकायत किया है।

जांच दौरान आवेदक प्रिंस जायसवाल का कथन दिया गया एवं प्रस्तूत दस्तावेज का अध्यन किया गया जिसमें आवेदक प्रिंस जायसवाल के खिलाफ संजय जायसवाल निवासी बैकूंठपुर के द्वारा साबरमती विश्वविधालय अहमदाबाद गूजरात से झूठा प्रमाणपत्र बनवाकर वर्तमान पद में नौकरी कर रहा है । जांच दौरान साबरमती विश्वविधालय अहमदाबाद गूजरात से पत्राचार कर दस्तावेज प्राप्त किया गया है जिसमें आवेदक प्रिंस द्वारा प्रस्तूत दस्तावेज एवं प्राप्त दस्तावेज में विराधाभास होना पाया गया है जांच जारी है। आवेदक प्रिंस जायसवाल के खिलाफ शिकायत होने से आवेदक अपने बचाव में वरिष्ठ कार्यालय में शिकायत किया है । आवेदक का शिकायत पत्र जांच योग्य नहीं नहीं पाया गया।

अतः श्रीमान जी के समक्ष शिकायत जांच प्रतिवेदन अवलोकनार्थ सादर प्रेषित है।

यह लिखा है जांच पत्र में...

जांच पत्र में थाना प्रभारी ने लिखा है कि आवेदक प्रिंस जायसवाल जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन जिला अस्पताल सूरजपुर के द्वारा शिकायत पत्र प्रस्तूत किया है कि उसके डिप्लोमा दस्तावेज के फर्जी होने का दावा कर विभिन्न व्यक्तियों एवं पत्रकारों में प्रचार कर छवि धूमिल करने व परेशान करने के नियत से व्हॉटसअप में भेजा गया है। शिकायत पत्र में संलग्न दस्तावेज का अध्ययन किया गया जिससे ज्ञात हुआ कि पूर्व में आवेदक प्रिंस जायसवाल के खिलाफ संजय जायसवाल निवासी बैकुंठपुर द्वारा आवेदक के वर्तमान पद नियूक्ति में फर्जी दस्तावेज का प्रयोग करने संबंधी शिकायत किया है। जांच दौरान आवेदक प्रिंस जायसवाल का कथन दिया गया एवं प्रस्तूत दस्तावेज का अध्ययन किया गया जिसमें आवेदक प्रिंस जायसवाल के खिलाफ संजय जायसवाल निवासी बैकुंठपुर के द्वारा साबरमती विश्वविद्यालय अहमदाबाद गूजरात से झूठा प्रमाणपत्र बनवाकर वर्तमान पद में नौकरी कर रहा है। जांच दौरान साबरमती विश्वविधालय अहमदाबाद गुजरात से पत्राचार कर दस्तावेज प्राप्त किया गया है जिसमें आवेदक प्रिंस द्वारा प्रस्तूत दस्तावेज एवं प्राप्त दस्तावेज में विराधाभास होना पाया गया है जांच जारी है। आवेदक प्रिंस जायसवाल के खिलाफ शिकायत होने से आवेदक अपने बचाव में वरिष्ठ कार्यालय में शिकायत किया है। आवेदक का शिकायत पत्र जांच योग्य नहीं पाया गया। अतः श्रीमान जी के समक्ष शिकायत जांच प्रतिवेदन अवलोकनार्थ सादर प्रेषित है।

सिर्फ फोटो खिंचवाने के अलावा इन्होंने किया क्या है ?

प्रिंस जायसवाल की कुल काबिलियत और कुल उपलब्धि इतनी है कि वह फोटो खिंचाने में माहिर हैं, उन्हें जानने और देखने वाले भी बताते हैं कि हर जगह खुद को सामने रखकर केवल फोटोग्राफी के लिए ही वह खुद को कामकाजी जाहिर करते हैं। काम उनका उपलब्धि उनकी शून्य है। पैसा देकर प्रशस्ति पाना उनकी खूबी-खासियत है। वैसे जो व्यक्ति अपनी फर्जी डिग्री के पक्ष में एक भी सही दस्तावेज नहीं रख पा रहा है और केवल धमकी शिकायत करके ही खुद को सही साबित करना चाह रहा है और इस बीच वह काम से दूरी बनाकर केवल शिकायत के लिए ही समय निकाल पा रहा है वह कितना ईमानदार और योग्य समर्पित है यह भी विचारणीय है।

तथ्यों के साथ खबर प्रकाशित करने वाले अखबार का लाइसेंस रद्द करके क्या वह बच जाएंगे?

फर्जी डिग्री से डॉक्टर बनकर शासकीय विभाग के बड़े पद पर बैठकर लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाला एक व्यक्ति जैसा कि पार्षद संजय जायसवाल के तथ्य सहित प्रस्तुत दस्तावेज बताते हैं अब समाचार-पत्र की मान्यता समाप्त करने के लिए शिकायत कर रहा है। यह बड़ी विडम्बना वाली स्थिति है क्योंकि हमेशा सत्य का ही प्रकाशन करने वाला दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र अब फर्जी डिग्री वाले की शिकायत पर यदि प्रभावित होता है या उसकी मान्यता रद्द होती है तो यह देश के इतिहास के लिए बेहद काला दिन होगा। वैसे यदि ऐसा होता भी है और एक फर्जी व्यक्ति यदि ऐसा करवा पाने में सफल हो जाता है तो क्या वह ऐसा करके बच जाएगा? क्योंकि सच और झूठ में जीत सच की ही होगी वह आज हो या कल यह अलग बात है और इसके लिए दैनिक घटती-घटना तैयार है।

आखिर पुलिस ने क्यों नही की कार्यवाही ?

मामले को विस्तार से समझिए,सामाजिक कार्यकर्ता संजय जायसवाल ने पहले एक शिकायत स्वास्थ्य विभाग को की थी कि प्रिंस जायसवाल की केलोरेक्स टीचर्स यूनिवर्सिटी की डिग्री फर्जी है, जिस पर डायरेक्टर एनएचएम ने पत्राचार किया और एक साबरमती यूनिवर्सिटी के लेटरपेड पर छोटा सा लोगो बना हुआ पत्र डाक के जरिए एनएचएम डायरेक्टर को मिला,जिसमे बताया गया कि प्रिंस जायसवाल की डिग्री ठीक है, यह पत्र मार्च 2024 को प्राप्त हुआ, जिसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता संजय जायसवाल ने पुलिस अधीक्षक सुरजपुर को शिकायत की, जहां से पुलिस अधीक्षक सुरजपुर ने साबरमती यूनिवर्सिटी अहमदाबाद से ईमेल के जरिये जवाब मांगा, संजय जायसवाल भी यूनिवर्सिटी से जुड़े रहे, इस बीच उन्हें जानकारी मिली कि साबरमती यूनिवर्सिटी ने मेल से एसपी सुरजपुर को बताया है कि प्रिंस की डिग्री फर्जी है, तो उन्होंने मामले से जुड़ी जानकारी सोशल मीडिया में पोस्ट की जिसके जवाब में प्रिंस भागता हुआ पुलिस के पास पहुंचा और आइजी सरगुजा को पत्र देकर मामले की शिकायत की।

मंत्री का रिश्तेदार होने का भ्रम दिखा उठा रहा है फायदा

इधर प्रिंस जायसवाल की शिकायत पर आईजी ने तत्काल जांच के निर्देश दे दिए। क्योंकि वर्तमान में स्वास्थ्य मंत्री का वो खुद को रिश्तेदार बता रहा है, जिसके बाद जांच शुरू हुई, तो सच्चाई सामने आई, पुलिस की एक टीम अहमदाबाद भी पहुंची, तो जुलाई 2024 में यह पत्र सामने आया कि प्रिंस की डिग्री फर्जी है। वही पुलिस आवेदक के खिलाफ कार्यवाही करने से हिचक रही थी,और उस पर मंत्री का रिश्तेदार, जिसके बाद पुलिस ने दोनो पत्र में विरोधाभास बता मामले की जांच जारी बता दी।

चैंपियंस ट्रॉफी में भी नहीं मिलेगी कप्तानी

» कौन संभालेगा टीम इंडिया की कमान?

नई दिल्ली,03 जनवरी 2025। भारतीय क्रिकेट टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा तो खत्म होने को है। अब आखिरी मैच का रिजल्ट चाहे कुछ भी हो, लेकिन इस बीच रोहित शर्मा के मामले ने तूल पकड़ रखा है। उन्हें आखिरी टेस्ट की प्लेइंग इलेवन से बाहर किया गया है। अगर रोहित शर्मा ने खुद ही अपने आपको अलग किया है तो ये भी कोई अच्छे संकेत नहीं हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज और इसके बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी क्या रोहित ही कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। या फिर इस बड़े टूर्नामेंट में कमान किसी और खिलाड़ी को सौंपी जाएगी।

चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया 20 फरवरी को खेलेगी पहला मैच

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से होगा, वहीं टीम इंडिया अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलती हुई नजर आएगी। इसके बाद 23 फरवरी को महामुकाबला होगा। यानी भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने सामने होंगी। वैसे तो अभी इस टूर्नामेंट में वक्त है, लेकिन आईसीसी टूर्नामेंट के लिए सभी हिस्सा लेने वाली टीमों को अपने स्क्वाड का ऐलान पहले ही करना पड़ता है। अभी तक जो जानकारी सामने आ रही है, उसमें पता चला है कि 12 जनवरी तक सभी टीमों को अपने अपने स्क्वाड का ऐलान कर देना है, यानी इसमें अब बहुत ज्यादा वक्त नहीं बचा है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत को अपने घर पर इंग्लैंड से तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। माना जा रहा है कि दोनों के लिए एक साथ ही भारतीय टीम का ऐलान कर दिया जाएगा।

कहीं हार्दिक पांड्या तो नहीं बन जाएंगे वनडे के कप्तान

जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी टेस्ट में रोहित शर्मा कप्तान नहीं हैं, उससे एक और सवाल गहरा गया है कि क्या चैंपियंस ट्रॉफी में वे बतौर कप्तान ही उतरेंगे। वैसे तो अभी तक ना तो उन्हें टेस्ट के कप्तान पद से हटाया गया है और ना ही बीसीसीआई की ओर से इस बारे में कोई बयान आया है। लेकिन जो सब कुछ घट रहा है, वो चिंता की बात तो है। अगर रोहित शर्मा वनडे में कप्तान बने रहते हैं तो बात अलग है, लेकिन अगर कहीं उनकी इस फॉर्मेट से भी छुट्टी की जाती है तो फिर अगला कप्तान कौन होगा। वैसे तो ये दूर की कौड़ी है, लेकिन हो सकता है कि वनडे में हार्दिक पांड्या उनकी जगह ले लें। हार्दिक पांड्या टेस्ट छोड़कर बाकी दो फॉर्मेट खेलते हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 के कप्तान हैं, लेकिन वे अभी तक वनडे में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ 5 टी20 मैच भी खेलेगी भारतीय टीम

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड से पहले 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी और इसके बाद बाद तीन वनडे मैच होंगे, जो चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के नजरिए से काफी ज्यादा अहम होने जा रहे हैं। साल 2024 में भारत ने कुल मिलाकर तीन ही वनडे मैच खेले हैं और उसमें उसे हार का सामना करना पड़ा है। यानी भारतीय टीम की तैयारी वनडे को लेकर बहुत पुख्ता नहीं हैं। जो चैंपियंस ट्रॉफी के लिहाज से भारी पड़ सकती है। देखना होगा कि चैंपियंस ट्रॉफी और रोहित शर्मा को लेकर आने वाले वक्त में बीसीसीआई की ओर से क्या फैसला लिया जाता है।

जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर बनाया कीर्तिमान

» 8 साल बाद दोहराया गया इतिहास

मेलबर्न,03 जनवरी 2025। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे आखिरी टेस्ट में अभी पहले ही दिन का खेल हुआ है, लेकिन रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। पहले दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी एक बार फिर से फ्लॉप रही। वो तो भला हो जसप्रीत बुमराह का, जिन्होंने पहले दिन का खेल खत्म होने से पहले ही उस्मान ख्वाजा को पवेलियन भेज दिया, इससे भारतीय टीम ने राहत की सांस ली होगी। जसप्रीत बुमराह ने इस विकेट के साथ ही भारतीय टीम के लिए करीब आठ साल पुराना इतिहास दोहरा दिया है।

इस सीरीज में बुमराह ने छठी दफा किया है उस्मान का शिकार

जसप्रीत बुमराह एक बार फिर से टीम इंडिया की टेस्ट में कप्तानी कर रहे हैं। इससे पहले जब इसी सीरीज के पहले मैच में भी उन्होंने कमान संभाली थी, तब टीम इंडिया जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी। अब फिर से उन्हें भारतीय टीम का बेड़ा पार लगाने की जिम्मेदारी दी गई है। जसप्रीत बुमराह ने उस वक्त उस्मान ख्वाजा को आउट किया, जब वे दिन की आखिरी बॉल लेकर आए थे। उस्मान ख्वाजा ने अपनी पारी के दौरान 10 बॉल का सामना किया और दो रन बनाकर आउट हो गए। इसी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने उस्मान को छठी बार आउट किया है। इससे पहले केवल एक ही बार हुआ है, जब किसी भारतीय गेंदबाज ने एक ही ही सीरीज में 6 दफा आउट किया हो।

किसी भी पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने एससीजी पिच पर घास की शिकायत नहीं की है

सिडनी,03 जनवरी 2025। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) की हरी-भरी पिच पूर्व भारतीय खिलाड़ियों के बीच बहस का विषय नहीं रही है, लेकिन अगर भारत में यह स्पिन के अनुकूल पिच होती, तो मेहमान टीम इस पर पागल हो जाती। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर पिच पर घास के बारे में पूछे जाने पर कहा, ओह, बहुत ज्यादा। जस्टिन लैंगर, जो ऑस्ट्रेलिया में खेल चुके हैं, ने कहा है कि उन्होंने पिच पर इतनी घास कभी नहीं देखी। लेकिन आपने जो देखा होगा वह यह है कि किसी भी पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने इसके बारे में शिकायत नहीं की है।

बढ़ती उम्र के साथ और भी खतरनाक होता जा रहा ये गेंदबाज

» टेस्ट क्रिकेट में बना डाला खास रिकॉर्ड

मेलबर्न,03 जनवरी 2025। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज का 5वां मैच ऑस्ट्रेलिया में खेल रही है। इस मुकाबले में टीम इंडिया की कप्तानी जसप्रीत बुमराह के हाथों में है। बुमराह ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। उनके इस फैसले के बाद टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय बल्लेबाज सिडनी टेस्ट में काफी मुश्किल स्थिति में नजर आए। इसके पीछे ऑस्ट्रेलिया के स्टार गेंदबाज स्कॉट बोलैंड का सबसे अहम योगदान रहा। बोलैंड ने इस मुकाबले में काफी शानदार गेंदबाजी की और ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक सबसे सफल खिलाड़ी रहे। उन्होंने इसी बीच एक बड़ा कारनामा भी किया है।

बोलैंड का कमाल

स्कॉट बोलैंड ने भारत के खिलाफ जैसे ही चार विकेट झटके उन्होंने अपने टेस्ट करियर में कुल 50 विकेट पूरे कर लिए। वह पिछले 50 सालों में 50 टेस्ट विकेट पूरे करने वाले सबसे ज्यादा उम्र के तेज खिलाड़ी हैं। बोलैंड इस वक्त 35 साल के हैं। उन्होंने अपने डेब्यू के बाद से ही काफी कमाल का प्रदर्शन करते आए हैं। बोलैंड का 50वां टेस्ट शिकार नीतीश कुमार रेड्डी बने। उन्होंने रेड्डी को 0 पर आउट किया। इसके अलावा उन्होंने इस मुकाबले में यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और ऋषभ पंत को आउट किया है।

सबसे ज्यादा बार बोलैंड का शिकार हुए ये बल्लेबाज

विराट कोहली - 4 बार
जो रूट - 4 बार
शुभमन गिल - 3 बार
जैक क्रॉली - 3 बार
जॉनी बेयरस्टो - 3 बार

बढ़ती उम्र के साथ होते जा रहे खतरनाक

बोलैंड अपनी बढ़ती उम्र के साथ और भी खतरनाक गेंदबाज बनते जा रहे हैं। उन्होंने मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 15 विकेट पूरे कर लिए हैं। इसके अलावा बोलैंड विराट कोहली के लिए एक बड़ा खतरा बन गए हैं। उन्होंने अपने इस छोटे से करियर को दौरान विराट कोहली और जो रूट जैसे बड़े बल्लेबाजों को 4 बार अपना शिकार बनाया है। ऐसे में उन्हें हल्के में लेना किसी भी टीम के लिए एक बड़ा खतरा होगा।

ओसाका 2022 के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए सेमीफाइनल में

ऑकलैंड,03 जनवरी 2025। पूर्व विश्व नंबर 1 नाओमी ओसाका शुक्रवार को एएसबी क्लासिक में हैली बैपटिस्ट पर 6-7(2), 6-1, 6-2 से क्वार्टरफाइनल जीत के बाद लगभग तीन साल में अपने पहले डब्ल्यूटीए सेमीफाइनल में पहुंच गई।

ओसाका ने मैच के दौरान दो बार बारिश के व्यवधानों को झेला और 2 घंटे और 2 मिनट के खेल के बाद उभरती अमेरिकी बैपटिस्ट को बाहर कर दिया। जापानी खिलाड़ी ने 12 महीने पहले मातृत्व अवकाश से लौटने के बाद अपने पहले टूर-लेवल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ओसाका ने जीत के बाद कोर्ट पर कहा, मुझे लगता है कि मेरा मुख्य ध्यान सिर्फ खुद पर बहुत अधिक विश्वास और आत्मविश्वास रखने पर था। मुझे लगता है कि मैंने पिछले साल भर बहुत मेहनत की, और भले ही नतीजों ने इसे नहीं दिखाया, मुझे लगता है कि मैं बस कोशिश करना जारी रखूंगी, मुझे लगता है, जितना हो सके उतना प्रयास करूंगी और देखूंगी कि यह मुझे कहां ले जाता है। ओसाका ने अंतिम सेट में अपना दबदबा जारी रखा, जिसमें दिन का उनका 10वां और अंतिम ऐस उनके पहले मैच प्वाइंट पर पहुंचा।

100 साल तक नहीं टूटेगा धोनी का विनिंग प्रतिशत का रिकॉर्ड

» आईपीएल में किया है ऐसा कमाल

नईदिल्ली,03 जनवरी 2025। 2008 में शुरू हुए आईपीएल के 17 सीजन खेले जा चुके हैं और हर बार एक से बढ़कर एक रिकॉर्ड बनते और टूटते हैं। लेकिन, हम आपको महेंद्र सिंह धोनी के एक ऐसे रिकॉर्ड के बारे में बताने वाले हैं, जो अगले 100 सालों तक भी उन्हीं के नाम पर दर्ज रहने वाला है, क्योंकि कोई दूसरा उनके आस-पास भी नहीं है।

वैसे तो एमएस धोनी ने कई बड़े रिकॉर्ड आईपीएल में अपने नाम किए हैं, लेकिन बतौर कप्तान एक ऐसा रिकॉर्ड है,जो सबसे बड़ा है। ट्रॉफी के मामले में तो भले ही रोहित शर्मा धोनी की बराबरी कर लें, लेकिन विनिंग प्रतिशत में तो माही की बराबरी आज तक ना तो कोई कर सका है और उन रिकॉर्ड्स को देखकर ऐसा लगता है कि सालों तक इसे कोई तोड़ भी नहीं पाएगा। अब तक अपने आईपीएल करियर में धोनी ने 226 मैचों में टीम की कप्तानी की और 133 मैचों में अपनी टीम को जीत दिलाई. जबकि 91 मुकाबलों बतौर कप्तान हारे।

एमएस धोनी के बाद दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा का नाम है, जिन्होंने 158 मैचों में मुंबई की कप्तानी की है और 87 मैचों में जीत दिलाई। अब आप देख ही सकते हैं कि पहले नंबर पर मौजूद धोनी और दूसरे नंबर पर मौजूद रोहित के आंकड़ों में कितना बड़ा अंतर है और रोहित आईपीएल में अब बतौर कप्तान नहीं सिर्फ बतौर खिलाड़ी ही खेलते हैं. ऐसे में ये कहना बिलकुल गलत नहीं होगा कि ये रिकॉर्ड सालों-साल माही के नाम रहने वाला है। आईपीएल 2025 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स ने एमएस धोनी को 4 करोड़ रुपये में रिटेन कर अपने साथ बरकरार रखा है। नतीजन, ये तो तय हो गया है कि माही आईपीएल 2025 में भी चेन्नई का प्रतिनिधित्व करेंगे। आंकड़ों की बात करें, तो धोनी ने 264 मैचों में 137.54 की स्ट्राइक रेट और 39.13 के औसत से 5243 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 24 अर्धशतक भी लगाए।

हमने शायद रोहित को टेस्ट क्रिकेट में आखिरी बार देखा है...

सिडनी,03 जनवरी 2025। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर को लगता है कि भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के पांचवें टेस्ट के लिए आराम करने का फैसला करने के बाद मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर टीम के लिए अपना आखिरी टेस्ट खेला है।

क्वेना मफाका ने बना दिया नया कीर्तिमान

» जन्म लेने से पहले बने रिकॉर्ड को डेब्यू करते ही किया चकनाचूर

न्यूलैंड्स,03 जनवरी 2025। साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच खेली जा रही 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले का आगाज न्यूलैंड्स के केपटाउन मैदान पर हो गया है। इस मैच में मेजबान अफ्रीकी टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है तो वहीं उनकी प्लेइंग 11 में पहले मैच के मुकाबले तीन बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। अफ्रीका ने इस सीरीज के पहले मैच को सिर्फ 2 विकेट से अपने नाम किया था, जिसके दम पर वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के फाइनल में भी अपनी जगह को पक्की करने में कामयाब हो गए। वहीं केपटाउन टेस्ट मैच में उन्होंने सिर्फ 18 साल 270 दिन की उम्र के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को डेब्यू का मौका मिला है, जिसमें उन्होंने अपने पदार्पण टेस्ट मुकाबले में एक ऐसे रिकॉर्ड को चकनाचूर कर दिया जो उनके जन्म के पहले बना था।

क्वेना मफाका बने साउथ अफ्रीका के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी

क्वेना मफाका ने साल 2024 में ही अपना वनडे और टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू कर लिया था तो वहीं उन्हें टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू का मौका साल 2025 के शुरू होते ही मिल गया। क्वेना ने 18 साल 270 दिन की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करते ही 25 साल पहले पॉल एडम्स के बनाए हुए रिकॉर्ड को चकनाचूर कर दिया। साउथ अफ्रीका टीम के पूर्व खिलाड़ी पॉल एडम्स ने जब टेस्ट क्रिकेट में अपना डेब्यू किया था तो उस समय उनकी उम्र 18 साल 340 दिन की थी और उन्होंने अपना पहला मुकाबला साल 1995 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। मफाका को लेकर बात की जाए तो वह इससे पहले 2 वनडे और 5 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले भी खेल चुके हैं, जिसमें वनडे में उनके नाम 5 विकेट हैं तो टी20 में वह तीन विकेट हासिल कर चुके हैं। वहीं फर्स्ट क्लास क्रिकेट में क्वेना ने तीन मुकाबले खेले हैं, जिसमें उनके नाम 13 विकेट हैं।

साउथ अफ्रीका की नजरें अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल पर

साल 2025 में जून महीने में लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए अफ्रीका ने अपनी जगह को पक्का कर लिया है, जिसमें उनका सामना किस टीम से होगा इसका फैसला होना अभी बाकी है।

अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स का ट्रेलर इस दिन होगा रिलीज

अक्षय कुमार की पिछली फिल्में फ्लॉप रही हैं। उनकी हालिया रिलीज सिंघम अगेन भी बुरी तरह पिट गई। इससे पहले आई खेल खेल में का भी बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल रहा।अब अक्षय की स्काई फोर्स से बड़ी उम्मीदें हैं। उन्हें पूरा यकीन है कि यह फिल्म उनकी पिछली फ्लॉप फिल्मों का दाग धो देगी।अब स्काई फोर्स का पहला पोस्टर सामने आ गया है। इसके साथ फिल्म के ट्रेलर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठा दिया है।स्काई फोर्स का ट्रेलर 5 जनवरी, 2025 को सुबह 10 बजे जारी किया जाएगा। निर्माता फिल्म का ट्रेलर जुहू के पीवीआर में ऑडी 2 में रिलीज करने वाले हैं।इस फिल्म की कहानी भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों पहले हुए हवाई युद्ध पर आधारित होगी।इसमें अक्षय के अलावा सारा अली खान, निम्रत कौर और वीर पहाड़िया जैसे सितारे भी अभिनय करते नजर आएंगे।वीर इस फिल्म से बॉलीवुड में शुरुआत करने जा रहे हैं।स्काई फोर्स के वीएफएक्स को राष्ट्रीय और ऑस्कर पुरस्कार विजेता कंपनी डीएनईजी द्वारा संभाला जा रहा है। फिल्म में लुभावने हवाई दृश्य हैं और भारत की पहली सर्जिकल स्ट्राइक की भावनाओं को अच्छी तरह दर्शाया गया है। अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया के बीच के तालमेल को भी दर्शाने की कोशिश की गई है। दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि खिलाड़ी कुमार को स्क्रीन पर कैसे चित्रित किया जाता है।दिनेश विजान ने कई बैक-टू-बैक हिट फिल्में दी हैं, जिनमें तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, मुंजा और स्त्री 2 शामिल हैं। स्काई फोर्स का निर्देशन संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर ने किया है।

पिंक स्टाइलिश साड़ी पहन अनुष्का सेन ने दिखाया ग्लैमरस अवतार

एक्ट्रेस अनुष्का सेन अपने दिलकश अंदाज से अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं, जिसमें वो कातिलाना अदाओं से पोज देती हुई फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं।टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड और सेक्सी अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।लेटेस्ट शेयर की गई फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पिंक कलर की स्टाइलिश साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बलखाती हुई कमर फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।वहीं, अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए एक्ट्रेस ने माथे पर बिंदी, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप किया है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही शानदार लग रही हैं।

विक्रमादित्य मोटवानी की वेब सीरीज ब्लैक वारंट का टीजर जारी

सेक्रेड गेम्स' बनाने वाले विक्रमादित्य मोटवानी एक कमाल की सीरीज लेकर दर्शकों के बीच फिर हाजिर होने वाले हैं। इस सीरीज का नाम है ब्लैक वारंट।' टीजर रिलीज किया गया। इस सीरीज में जहान कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। टीजर के साथ इसके रिलीज डेट का भी निर्माताओं ने खुलासा किया है। जेल पर आधारित यह सीरीज सच्ची घटनाओं पर आधारित है।टीजर के साथ निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट की भी घोषणा की है। यह सीरीज 10 जनवरी 2025 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। टीजर जारी करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, भारत की सबसे खतरनाक जेल में एक नया जेलर आया है, कहानी कुछ सच्ची घटनाओं पर आधारित है।टीजर में पहली एंट्री अभिनेता जहान कपूर की सुनील कुमार गुप्ता के किरदार के रूप में होती है, जो एक साक्षात्कार में दिखाई देते हैं, जिसके बाद वह एक जेलर के तौर पर खौफनाक जेल में पहुंच जाते हैं। टीजर को देखकर लगता है कि उन्हें काफी सारी परेशानियों और मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।टीजर में यह देखने को मिलता है कि जहान कपूर जेलर की नौकरी इसलिए करना चाहते हैं कि वह देश के लिए कुछ करना चाहते हैं। वहीं, कोई उन्हें कहता है कि इस काम के लिए लंबा-चौड़ा होना जरूरी है, कोई उन्हें धाकड़ बनने की सलाह देता है। जेल को लेकर टीजर में एक डायलॉग है, सब कहते हैं कि जेल कचरे की पेटी है, जेल तो सर्कस है।जहान कपूर फिल्म इंडस्ट्री के कपूर खानदान से ताल्लुक रखते हैं। मशहूर अभिनेता शशि कपूर ने जेनिफर केंडल से शादी की थी, जिनके तीन बच्चे करण कपूर, कुणाल कपूर और संजना कपूर हैं। जहान, कुणाल कपूर के बेटे हैं। उन्होंने साल 2022 में आई फिल्म फराज' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। अब, ब्लैक वारंट' से वह ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

CMYK

जाबांज पत्रकार मुकेश चंद्राकर की बेरहमी से हत्या

बस्तर,03 जनवरी 2025(ए)। बस्तर में इस बार जाबांज पत्रकार की हत्या ना तो पुलिस की गोली से हुई है और ना ही माओवादियों ने गला रेता है। इस बार बस्तर में भ्रष्टाचार से सराबोर ठेकेदार ने पत्रकार मुकेश चंद्राकर के तस्वीरों से विचलित हो सकते हैं। माओवादियों के ठिकाने से सीआरपीएफ के जवान को बचाकर लाने वाले पत्रकार साथी की हत्या सड़क निर्माण में भारी भ्रष्टाचार की पोल खुलने के कारण कर दी गई है। बस्तर संभाग के कोंटा थाने में बीते बरस चार पत्रकारों को फर्जी गांजा तस्करी केस में फसा दिया गया था। फिलहाल पत्रकार ज़मानत में हैं और हर सप्ताह थाने में उपस्थिति दर्ज कराने जाते हैं। अब बस नए साल की शुरुआत हुई और पहली ही तारीख़ को बीजापुर जिले के एनडीटीवी के पत्रकार को ठेकेदार ने मारकर अपने सैप्टिक टैंक में डाल दिया। आज देर शाम पुलिस ने शव निकाला है। बता दें कि पुलिस द्वारा किए गए पंचनामे में पत्रकार मुकेश चंद्राकर के शव पर कई जगहों पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। उनके सिर पर सात जगह नुकीले हथियार से वार के निशान पाए गए, जबकि माथे पर कुल्हाड़ी से वार के निशान मिले हैं। जांच में यह बात सामने आई है कि उनकी हत्या गला घोंटकर की गई है। जानकारी के अनुसार ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के भाई को पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार किया है, वहीं अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे है।

बस्तर में पत्रकार चुनौतियों का सामना करते हैं यह साबित करने की ज़रूरत नहीं है। तीन दिनों से लापता पत्रकार मुकेश चंद्राकर की लाश घर से 2 किमी और बीजापुर थाने से पांच किमी की दूरी पर चट्टानपारा इलाके में सेप्टिक टैंक में मिली है. लाश मिलने की सूचना पर पुलिस ने मौके की घेराबंदी कर जांच में जुटी है। बता दें कि मुकेश चंद्राकर 1 जनवरी की शाम टी-शर्ट और शॉर्ट्स में घर से बाहर निकले थे. कुछ देर के बाद उनका फोन स्विच ऑफ हो गया. रात तक घर नहीं लौटने पर उनके भाई और पत्रकार युकेश चंद्रकार ने करीबियों के घर शहर में अलग-अलग जगह पता लगाया. कोई खबर नहीं मिलने पर युकेश चंद्रकार ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। मुकेश के गुमशुदगी रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए ढ्ढत्र सुंददराज पी ने आज शाम तक स्थिति स्पष्ट होने की बात कही थी. उन्होंने मीडिया से चर्चा में बताया था कि टीम को पड़ताल के लिए एक्टिव किया गया है. जानकारी पर एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही थी. इसके अलावा पुलिस की एक टीम को दिल्ली रवाना किया गया था।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या को लेकर टीएस सिंहदेव ने जताया शोक

पिछले तीन दिनों से लापता बीजापुर, छत्तीसगढ़ के युवा और साहसी पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या का समाचार अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। मुकेश चंद्राकर एक निडर और सत्य एवं न्याय के लिए प्रतिबद्ध पत्रकार थे। उनके असमय निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं। यह घटना न केवल पत्रकारिता जगत के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक बड़ी क्षति है। प्रशासन से मांग हैं कि इस मामले की गहराई से जाँच की जाए और दोषियों को अविलंब कड़ी सज़ा दी जाए। पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। मुकेश चंद्राकर जी की यादें हमेशा जीवित रहेंगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। ॐ शांति।

बख्शे नहीं जायेंगे पत्रकार मुकेश चंद्राकर के हत्यारेःसीएम साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या पर शोक जताया है।छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या पर शोक जताया है। शोकसंतप्त परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के निर्देश दिये हैं। अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने निर्देश जारी किये हैं। सीएम साय ने कहा कि इस घटना के अपराधी को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा देने के निर्देश हमने दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजापुर के युवा और समर्पित पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या का समाचार अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। मुकेश का जाना पत्रकारिता जगत और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

प्रदेश की 47 नगर पालिकाओं में प्रशासकों की नियुक्ति

रायपुर,03 जनवरी 2025(ए)। राज्य सरकार ने प्रदेश की 47 नगर पालिकाओं में प्रशासकों की नियुक्ति की है। इस संबंध में अधिसूचना राजपत्र मेंप्रकाशित कर दी है। सभी स्थानों पर एसडीएम (अनुविभागीय अधिकारी) को प्रशासक बनाया गया है, जो नगर पालिकाओं के संचालन और प्रशासनिक कार्यों को संभालेंगे।ये प्रशासक नगर पालिकाओं का निर्वाचन कार्यकाल खत्म होते ही अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। बता दें कि आज 6 नगर पालिकाओं का कार्यकाल खत्म हो रहा है, जिसमे डोंगरगढ़, रतनपुर, तखतपुर, बोदरी, मनेंद्रगढ़ और कांकेर की नगर पालिका शामिल है।

देवेंद्र यादव को हाईकोर्ट से झटका

जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर,03 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा मामले में जेल में बंद भिलाई विधायक देवेंद्र यादव की जमानत याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। बता दें कि हाईकोर्ट के जस्टिस एनके व्यास की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित रखा था, जिस पर आज शुक्रवार को आदेश जारी किया गया है। दरअसल, पुलिस ने बलौदाबाजार हिंसा के केस में विधायक देवेंद्र यादव को आरोपी बनाया है। इस मामले में पुलिस ने 4 बार नोटिस जारी किया, लेकिन विधायक ने बयान देने जाने से मना कर दिया था। जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

आखिरकार छत्तीसगढ़ का महाठग जगमोहन गिरफ्तार

रायपुर,03 जनवरी 2025(ए)। महंगी कारों को किराये पर लेकर धोखाधड़ी करते हुए दूसरे व्यक्तियों को बेचने वाला वाला आरोपी को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो करोड़ दो लाख की कुल 23 कारों को जब्त किया गया है। आरोपी कार मालिकों का विश्वास जीतकर कार किराये पर लेकर इस धोखाधड़ी की घटना को अंजाम देता था। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना सिविल लाइन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी और अन्य लोगों से 23 वाहनों को जब्त किया है। जब्त मशरूका की कुल कीमत है दो करोड़ दो लाख रुपये हैं। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 637/2024 धारा 318(4), 316 बीएनएस के तहत केस दर्ज किया है।

खदान में मिली युवक की लाश

24 घंटे में 2 हत्यारे गिरफ्तार

बिलासपुर,03 जनवरी 2025(ए)। अशोक नगर मुरूम खदान में गुरुवार को एक युवक की बेरहमी से हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। सरकंडा पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस हत्या के पीछे पुरानी दुश्मनी छिपी थी, जो खूनी अंजाम तक पहुंची।

कवासी लखमा ईडी दफ्तर से बाहर निकले

रायपुर,03 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में आज रायपुर के ईडी दफ्तर में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा और हरीश लखमा से ईडी अधिकारियों की पूछताछ खत्म हो गई है। करीब 8ञ्30 घंटे तक चली पूछताछ के बाद कवासी और हरीश लखमा ईडी दफ्तर के बाहर आए। इस दौरान कवासी लखमा ने बताया कि अधिकारियों के सभी सवालों का उन्होंने जवाब दिया। पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने कहा, ईडी के द्वारा मांगे गए दस्तावेज़ मैंने उन्हें सौंप दिए हैं। हालांकि, मेरे पूछे गए सवालों का जवाब ईडी के द्वारा नहीं दिया गया। मुझसे जो कागज मांगे गए थे, वे मैंने जमा किए हैं। कुछ बातें सभी ने पूछी, जिसका मैने जवाब दिया। उन्होंने बताया कि कुछ कागज बाकी हैं, जिन्हें पेश करने के लिए मैंने और कुछ दिन का समय मांगा है। मेरी बेटी और पत्नी ने संपत्ति का ब्योरा दिया है, अभी बड़े बेटे और बहू का देना है।

उन्होंने यह भी कहा,कोई बदतमीजी नहीं हुई है। चाय-नाश्ते के लिए पूछा गया था, लेकिन कोई परेशानी नहीं हुई। अंदर की बातों को सार्वजनिक करना ठीक नहीं है। मैं कांग्रेस पार्टी का सदस्य हूं और कानून को मानने वाला व्यक्ति हूं। बीजेपी ने जानबूझकर मुझे परेशान करने के लिए आरोप लगाए हैं।

यह आरोप सरकार और बीजेपी के कारण मुझ पर लगाए गए हैं। मैं इस लड़ाई को अंतिम तक लड़ूंगा। जब तक जिंदा रहूंगा, आदिवासियों के लिए लड़ता रहूंगा।÷ कवासी लखमा ने आगे कहा, मैं घोटाले को कबूल नहीं कर रहा हूं, लेकिन जांच चल रही है। अगर दो नंबर की शराब भेजी गई है, तो अधिकारी के घर में क्यों नहीं बन रही थी? तीन शराब बनाने वाली कंपनियां हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? शराब कंपनियों पर जांच करो। उन्होंने कहा,ऐसा कोई ऑफर मुझे नहीं मिला है। वे जानते हैं कि मैं कांग्रेस पार्टी में हूं...इसलिए मुझे कोई ऑफर नहीं दिया गया। गौरतलब है कि बीते गुरुवार को ईडी ने अपने आधिकारी बयान में कहा था कि रेड के बाद कवासी लखमा के घर में कई सूबत मिले हैं. ईडी ने अपने बयान में कहा था कि कवासी लखमा द्वारा नकद में पीओसी के उपयोग से संबंधित सबूत जुटाने में सक्षम हो गया है। इसके अलावा, तलाशी में कई डिजिटल डिवाइस बरामद और जब्त की गईं, जिनके बारे में माना जाता है कि उनमें आपत्तिजनक रिकॉर्ड हैं। छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले को लेकर ईडी लगभग दो साल से कार्रवाई कर रही है। इस मामले में कई अधिकारी और नेताओं के रिश्तेदार जेल में हैं। रायपुर मेयर के भाई अनवर ढेबर और एपी त्रिपाठी भी शराब घोटाले के मामले में जेल में बंद हैं।

छत्तीसगढ़ कैबिनेट में विस्तार आज

दो मंत्री ले सकते है शपथ!

रायपुर,03 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ से इस वक़्त की बड़ी खबर सामने आ रही है जिसमें छत्तीसगढ़ कैबिनेट में आज विस्तार हो सकता है और वही दो मंत्री शपथ भी ले सकते है। छत्तीसगढ़ में संभावित कैबिनेट विस्तार को लेकर कई दावेदारों के नाम भी सामने आ रहे हैं। जिन दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं उनमें से सबसे प्रमुख नाम है अमर अग्रवाल का। माना जा रहा है कि इनका मंत्री बनना तय है। वहीं, संगठन चुनाव को देखते हुए यह भी चर्चा है कि किरण सिंहदेव को कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है और प्रदेश में दूसरा नया अध्यक्ष बन सकता है। इसके अलावा आरएसएस बैकग्राउंड से आने वाले गजेन्द्र यादव का भी नाम शामिल है। इन तीन नामों के अलावा रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट से विधायक राजेश मूणत, अजय चंद्राकर और सुनील सोनी का भी नाम शामिल है।

पंचायत चुनाव से पहले भाजपा को बड़ा झटका

» वरिष्ठ नेता ने छोड़ा पार्टी का साथ

» जिला अध्यक्ष को सौंपा त्यागपत्र

बीजापुर,03 जनवरी 2025 (ए)। प्रदेश में निकाय चुनाव को लेकर एक बार फिर से राजनीति गलियारों में खलबली मची हुई है। अब सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। वहीं नेताओं का अब दल बदलने का सिलसिला भी जारी हो गया है। इसी बीच पंचायत चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका लगा है।

भैरमगढ़ के भाजपा वरिष्ठ नेता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने भाजपा जिला अध्यक्ष को अपना त्याग पत्र सौंप दिया है। आपको बता दें कि दसरू राम पदामी भाजपा के वरिष्ठ और पूर्व जनपद सदस्य है। हालांकि इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है कि किस वजह से भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पार्टी से इस्तीफा दिया है।

एनएसयूआई 4 को निकालेगी संविधान यात्रा

रायपुर,03 जनवरी 2025(ए)। एनएसयआई निकालेगी संविधान मार्च, राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष समेत हजारों कार्यकर्ता एवं छात्र होंगे शामिल। डॉ.भीमराव अंबेडकर के सम्मानॅ और देश की संविधान की रक्षा के लिए एनएसयूआई की ओर से शनिवार को पैदल मार्च का आयोजन किया जाएगा। दरअसल, भाजपा सरकार द्वारा लगातार भारतीय संविधान को कुचलने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के विरोध में एनएसयूआई की ओर से 4 जनवरी को संविधान मार्च निकालने का ऐलान किया है जिसमें एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे समेत हजारों एनएसयूआई कार्यकर्ता एवं छात्र शामिल होंगे।।एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने बताया कि इस मार्च का उद्देश्य देश के संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाना है ।एनएसयूआई का यह संविधान मार्च मिशन ग्राउंड से शुरू होकर राजीव भवन में समाप्त होगी।

एसीबी की कार्रवाई में निरीक्षक गिरफ्तार

रायपुर,03 जनवरी 2025(ए)। नये साल में एसीबी ने बड़ी कार्रवाई की है। 50 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए वरीष्ठ निरीक्षण को एसीबी ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक मामला जांजगीर चांपा के हथकरघा कालेज का है। प्रदेश के एकमात्र हथकरघा कॉलेज में एसीबी की छापेमारी के बाद हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक सहायक संचालक हथकरघा को स्टॉक रिपोर्ट की जानकारी देनी थी। जानकारी के मुताबिक तीन बुनकर समिति के कामों पर रोक को लेकर कार्यालय ने रिपोर्ट मांगी थी। उसी रिपोर्ट के एवज में वरिष्ठ निरीक्षक हरेकृष्ण चौहान ने महेन्द्र देवांगन पूर्व हथकरघा प्रदेश अध्यक्ष से 2 लाख रुपये की डिमांड की थी। पहली किस्त के रूप में 50 हजार रुपये देने पर सहमति बनी थी। आज जैसे ही पहली किस्त निरीक्षक को दी गयी, एसीबी ने छापा मारकर उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

हाईकोर्ट ने महिला की हरकत को माना मानसिक क्रूरता

बिलासपुर,03 जनवरी 2025 (ए)। विवाह विच्छेद के लिए हाईकोर्ट ने पति के पक्ष में आदेश दिया है। फैमिली कोर्ट ने भी इसके पहले पति का आवेदन स्वीकार कर तलाक का आदेश पारित किया था। इसके खिलाफ दायर पत्नी की अपील हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। कोर्ट ने 5 लाख का स्थायी गुजारा भत्ता निर्धारित करते हुए कहा कि मानसिक क्ररूरता के आधार पर विवाह विच्छेद उचित है।

सीएमओ भूपेन्द्र निलंबित

रायपुर,03 जनवरी 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने दल्लीराजहरा नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेन्द्र वार्डेकर को निलंबित कर दिया है. ष्टरूह्र वार्डेकर पर आरोप है कि उन्होंने कोंडागांव नगर पालिका में प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी की पदस्थापना के दौरान अध्यक्ष कक्ष के रिनोवेशन और फर्नीचर खरीदी में गंभीर अनियमितता की है. मामले की जांच में आरोप सही साबित हुए, जिसके बाद उनके द्वारा की गई अनियमितता को गंभीर कदाचार मानते हुए राज्य शासन ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। निलंबन अवधि में सीएमओ वार्डेकर को मुख्यालय नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के क्षेत्रीय संयुक्त संचालक कार्यालय, जगदलपुर नियत किया गया है. मंत्रालय द्वारा जारी निलंबन आदेश की प्रति नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक को प्रेषित करते हुए राज्य शासन ने भूपेन्द्र वार्डेकर के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए समय-सीमा में आरोप पत्रादि का प्रारूप विभाग को भेजने के निर्देश दिए हैं।

12 से 26 फरवरी तक आयोजित होगा राजिम कुंभ कल्प

रायपुर,03 जनवरी 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के प्रयाग के रूप में प्रसिद्ध राजिम में 12 फरवरी से 26 फरवरी 2025 तक कुंभ कल्प का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष यह अद्भुत धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन 52 एकड़ के नए प्रस्तावित मेला स्थल में संपन्न होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन स्थित बैठक कक्ष में आज राजिम कुंभ कल्प के तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने शाही स्नान, गंगा आरती, संत समागम समेत कुंभ कल्प के प्रमुख आयोजनों और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प 2025 धर्म, आस्था और संस्कृति का अद्भुत समागम होगा और यह छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं और संस्कृति को प्रदर्शित करने का भी सुंदर माध्यम है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि श्रद्धालुओं को यहां अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त हो और यह आयोजन हमारी गौरवशाली विरासत को देश-दुनिया तक पहुंचाएं।

घर में घुसा बेकाबू तेज रफ्तार ट्रक

ड्राइवर और हेल्पर घायल

बलौदाबाजार,03 जनवरी 2025(ए)। तेज रफ्तार वाहनों का कहर नए साल में जारी है. बलौदाबाजार जिले में तेज रफ्तार ट्रक घर में घुस गया. जानकारी के अनुसार, बलौदाबाजार में सुबह 3 बजे गिधौरी थाना क्षेत्र के ग्राम बरपाली मुख्य मार्ग के पास घटना हुई है.तेज रफ्तार माजदा वाहन घर में घुस गई. घर में रात को नींद में सो रहे लोगों में घटना से हड़कंप मच गया. वाहन में ड्राइवर और हेल्पर फंस गए. मौके पर पहुंची पुलिस ने गैस कटर से दोनों को निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया. गिधौरी थाना पुलिस घटना की जांच में जुट गई है.

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)